लखनऊ

शनिवार, अगस्त, 2025

वर्ष : 11 । अंक: 2 3

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

# आर्यावर्त क्रांति

मुश्किलें वे औजार हैं जिनसे ईश्वर हमें बेहतर कामों के लिए तैयार करता हैं। - एच. डबल्यू वीचर

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi | NIGHT 26° Low

## संक्षेप

### ऋण धोखाधड़ी मामले में ED ने अनिल अंबानी को पांच अगस्त को पूछताछ के लिए तलब किया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस समूह के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अनिल अंबानी को कथित ₹17,000 करोड़ के ऋण धोखाधड़ी मामले की चल रही जाँच के सिलसिले में पूछताछ के लिए तलब किया है। वित्तीय अपराध जांच एजेंसी ने पिछले हफ़्ते रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी समूह की कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों समेत 50 कंपनियों और 25 लोगों के ठिकानों पर छापे मारे। जांच के घेरे में आए दो ऋण यस बैंक द्वारा आरएचएफएल और आरसीएफएल को दिए गए थे। ईडी ने रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी को उनके समूह की कंपनियों के खिलाफ कथित ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में 5 अगस्त को पूछताछ के लिए तलब किया है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार (1 अगस्त, 2025) को यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि मामला दिल्ली में दर्ज होने की वजह से अंबानी (66) को दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि एजेंसी अंबानी के पेश होने पर धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत उनका बयान दर्ज करेगी। उनके समूह की कंपनियों के कुछ अधिकारियों को भी अगले कुछ दिन में पेश होने के लिए कहा गया है। पिछले सप्ताह संघीय एजेंसी ने 50 कंपनियों के 35 परिसरों और अनिल के व्यापारिक समूह के अधिकारियों समेत 25 लोगों के परिसरों पर छापे मारे थे। 24 जुलाई को शुरू हुई यह छापेमारी तीन दिन तक जारी रही थी।

### MIGA + MAGA = MEGA का क्या हुआ? पी चिदंबरम का मोदी सरकार पर तंज

**नई दिल्ली।** पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अमेरिका को सभी भारतीय निर्यातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ और रूसी तेल खरीदने पर जुर्माना, अमेरिका के साथ भारत के व्यापार के लिए एक बड़ा झटका है। चिदंबरम ने टैरिफ को भारत के व्यापार के लिए एक बड़ा झटका बताया और यह भी तर्क दिया कि ये विश्व व्यापार संगठन के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन हैं। X पर एक पोस्ट में, चिदंबरम ने कहा कि अमेरिका को सभी भारतीय निर्यातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ और रूसी तेल खरीदने पर जुर्माना, अमेरिका के साथ भारत के व्यापार के लिए एक बड़ा झटका है। 'दोस्ती' कूटनीति और श्रमसाध्य वार्ता का विकल्प नहीं है। अमेरिका द्वारा लगाया गया टैरिफ विश्व व्यापार संगठन के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। उन्होंने 14 फ़रवरी को वाशिंगटन यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी द्वारा भारत और अमेरिका की मित्रता पर दिए गए बयान पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, 'MIGA + MAGA = MEGA का क्या हुआ?' अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के विकसित भारत विज़न और अमेरिका के 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (MAGA) नारे के बीच तुलना करते हुए 'मेक इंडिया ग्रेट अगेन' (MIGA) शब्द गढ़ा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और अमेरिका ने दोनों देशों की समृद्धि के लिए एक मेगा साझेदारी बनाई है।

# विपक्षी सांसदों को बिरला की नसीहत- जनता ने अवसर दिया है, नारेबाजी और तख्तियों से मत गंवाओ

**नई दिल्ली, एजेंसी।** संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से ही बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर लोकसभा में हंगामा कर रहे विपक्षी दलों के सदस्यों को नसीहत देते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कहा कि जनता ने आपको इतना बड़ा अवसर दिया है, इसे नारेबाजी करके और तख्तियां दिखाकर मत गंवाइए।

मानसून सत्र की शुरुआत 21 जुलाई को हुई थी और आज सदन की कार्यवाही का 10वां दिन है। सदन में इस दौरान केवल दो दिन, मंगलवार और बुधवार को प्रश्नकाल निर्बाध तरीके से पूरा चला। सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा और मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाने संबंधी सांविधिक संकल्प को मंजूरी के अलावा अन्य कोई महत्वपूर्ण विधायी कामकाज नहीं हो सका।

शुक्रवार को भी कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसद एसआईआर के मुद्दे पर नारेबाजी करने लगे। वे सदन में इस विषय पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। उनके हंगामे के कारण बैठक कुछ ही मिनट में दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गई और प्रश्नकाल नहीं चल सका। बैठक स्थगित करने की घोषणा से पहले अध्यक्ष बिरला ने नारेबाजी कर रहे सदस्यों से आग्रह किया, ''सदन की गरिमा को बनाकर रखिए। प्रश्नकाल बहुत महत्वपूर्ण समय होता है। आप नारेबाजी और तख्तियों से अन्य सदस्यों का अधिकार नहीं छीन सकते। यह गलत तरीका, गलत आचरण और गलत व्यवहार है।''

उन्होंने कहा, ''आप नारेबाजी करके, तख्तियां लहरा कर जनता की अभिव्यक्ति नहीं कर रहे। जनता ने आपको जो इतना बड़ा अवसर दिया है, उसे नारेबाजी और तख्तियों से मत गंवाओ।'' बिरला ने कुछ नेताओं की ओर इशारा करते हुए कहा कि इतने वरिष्ठ सदस्य होने के नाते यह तरीका उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर लोकतंत्र को मजबूत करना है तो सदस्यों को प्रश्न उठाने देने होंगे जिस पर सरकार की जवाबदेही तय होगी।

बिरला ने प्रदर्शन कर रहे सांसदों से कहा, ''मेरा रोज आपसे आग्रह रहता है कि सदन की कार्यवाही को चलने दें। सासदों को प्रश्न उठाने दें। लोगों की अपेक्षाएं और आकांक्षाएं पूरी होने दें और देश को आगे बढ़ाने में सहयोग दें। देश में हो रहे परिवर्तन के बारे में यहां अपनी बात रखें।''

### लोकसभा में एसआईआर को लेकर विपक्ष का हंगामा, कार्यवाही स्थगित

विपक्षी दलों के सांसदों ने बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर शुक्रवार को भी लोकसभा में हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाही आरंभ होने के तीन मिनट के भीतर ही दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गई। सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल शुरू कराया, तभी विपक्षी दलों के सदस्य एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा की मांग करने लगे। लोकसभा अध्यक्ष ने सदस्यों से अपनी सीटों पर बैठने का आग्रह करते हुए कहा, ''सदन की गरिमा को बनाकर रखिए। प्रश्नकाल बहुत महत्वपूर्ण समय होता है।'' उन्होंने सदस्यों के नारेबाजी करने और तख्तियां दिखाने पर निराशा प्रकट करते हुए कहा कि विपक्षी सदस्य प्रश्नकाल में अन्य सदस्यों के प्रश्न पूछने का और सरकार को जवाबदेह ठहराने का अधिकार नहीं छीन सकते। बिरला ने कहा कि यह सदस्यों का गलत तरीका और गलत आचरण है। हंगामा नहीं थमने पर उन्होंने सदन की कार्यवाही 11 बजकर तीन मिनट पर दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत बीते 21 जुलाई को हुई थी और निचले सदन में केवल दो दिन, गत मंगलवार और बुधवार को प्रश्नकाल हो पाया है।

## मल्लिकार्जुन खरगे का बड़ा आरोप, विरोध के दौरान वेल में आए सीआईएसएफ कर्मी, उपसभापति को लिखा पत्र

**नई दिल्ली, एजेंसी।** जगदीप धनखड़ के अचानक उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा देने के बाद से इस मुद्दे पर विपक्ष लगातार हंगामा कर रहा है। अब राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने उपसभापति हरिवंश को पत्र लिखकर वेल में सीआईएसएफ कर्मी उपस्थिति को लेकर लोकतंत्र के अधिकारों का हनन करने का आरोप लगाया है।

राज्यसभा में विपक्ष के मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को उपसभापति हरिवंश को पत्र लिखकर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि विपक्षी सांसद जब सदन में गुरुवार को लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज करा रहे थे, तब सीआईएसएफ कर्मी को वेल में बुलाया गया। खरगे ने इसे संसदीय परंपरा और लोकतंत्र के लिए आपत्तिजनक बताया।

उन्होंने कहा कि जब भविष्य में सांसद लोकतंत्र के लिए जनता से जुड़े हुए मुद्दे उठाएं, तब सीआईएसएफ कर्मियों को सदन की वेल में नहीं बुलाया जाना चाहिए। वहीं मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा उपसभापति को लिखे गए लेटर को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने भी सोशल मीडिया पर शेयर किया।

### संसद में विपक्ष का हंगामा

वहीं संसद के मॉनसून सत्र के दौरान विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर, बिहार में हो विशेष गहन पुनरीक्षण सर्वे को रद्द करने की मांग को लेकर लगातार हंगामा कर रहा है। साथ ही शुक्रवार को विपक्षी पार्टी के नेताओं ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर टैरिफ लगाए जाने को लेकर सरकार से सवाल किए। वहीं गुरुवार को एक बार फिर लोकसभा सदन नहीं चल सका। विपक्षी दलों के सदस्यों द्वारा बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को रोकने और इस पर चर्चा कराने को लेकर हंगामा किया गया। इससे सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित करने के बाद तीसरी बार एक अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले 21 अगस्त से शुरू हुआ मानसून सत्र का पहला पूरा सप्ताह हंगामे की भेंट चढ़ा था। इस सप्ताह सोमवार-मंगलवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा हुई।

## वोटों की चोरी करा रहा चुनाव आयोग... अधिकारी रिटायर भी हो जाएंगे तो छोड़ेंगे नहीं : राहुल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक बार फिर SIR के मुद्दे पर चुनाव आयोग को घेरा है। राहुल गांधी ने यहां तक कह दिया कि वोट चोरी हो रहे हैं और ये ओपन एंड शट केस है। राहुल गांधी ने दावा किया कि उनके पास इसको लेकर पुख्ता प्रूफ भी है। दरअसल, संसद भवन में मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि इस वोट चोरी में चुनाव आयोग शामिल है और मैं ये हल्के में नहीं कह रहा हूं। उन्होंने कहा कि मैं सौ प्रतिशत प्रूफ के साथ ऐसा कह रहा हूं। राहुल गांधी ने दावा किया कि अब पूरे देश को पता चल जाएगा कि चुनाव आयोग वोटों की चोरी कर रहा है और वह बीजेपी के लिए ऐसा कर रहा है।

### चुनाव आयोग का पलटवार, ऐसे गैरजिम्मेदाराना बयानों पर ध्यान मत दीजिए

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों पर इलेक्शन कमीशन की तरफ से पलटवार किया गया है। चुनाव आयोग ने कहा है कि ऐसे गैरजिम्मेदाराना बयानों पर ध्यान मत दीजिए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया था कि उनके पास इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि निर्वाचन आयोग 'वोट चोरी' में शामिल है। साथ ही वह यह सब बीजेपी के लिए कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि उनके पास जो सबूत हैं वो 'एटम बम' की तरह हैं, जिसके फटने के बाद आयोग को कहीं छिपने की जगह नहीं मिलेगी।

### संवैधानिक संस्थाओं को धमका रहे राहुल गांधी, रिजिजू बोले- यह लोकतंत्र को कमज़ोर करने की बड़ी साज़िश

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला और उन पर भारत विरोधी भाषा का इस्तेमाल करने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमज़ोर करने का आरोप लगाया। रिजिजू ने कहा कि विपक्ष के सदस्य भी गांधी की टिप्पणी की आलोचना कर रहे हैं, खासकर भारत को 'बर्बाद अर्थव्यवस्था' बताने की उनकी टिप्पणी की। रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी की भारत विरोधी भाषा का विपक्ष के कई प्रमुख लोग भी विरोध कर रहे हैं। वे यह भी कहते हैं कि आप भारत को बर्बाद अर्थव्यवस्था नहीं कह सकते। रिजिजू ने गांधी से अपनी भूमिका के अनुरूप ज़िम्मेदारी से काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को पता होना चाहिए कि वह कोई छोटे बच्चे नहीं हैं। उन्हें विपक्ष के नेता की तरह व्यवहार करना चाहिए। रिजिजू ने विपक्ष पर जानबूझकर संसदीय कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाते हुए तर्क दिया कि इसका नुकसान अंततः विपक्षी सांसदों को ही हो रहा है।

## उपराष्ट्रपति चुनाव की तारीख जारी, 9 सितंबर को होगा मतदान

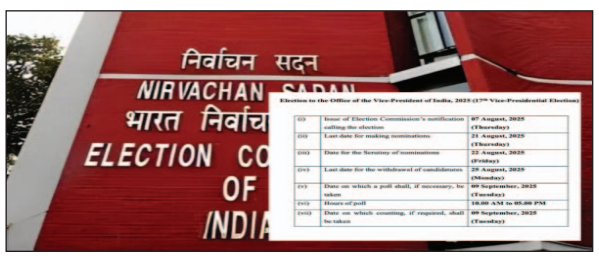


**नई दिल्ली, एजेंसी।** चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए शेड्यूल जारी कर दिया है। नॉटिफिकेशन के मुताबिक, 21 अगस्त को उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन की आखिरी तारीख है। 9 सितंबर को इस पद के लिए वोट डाले जाएंगे और इसके बाद देश को नया उपराष्ट्रपति मिलेगा।

अगर विपक्ष इस चुनाव में अपना उम्मीदवार खड़ा नहीं करेगा, तो उपराष्ट्रपति निर्विरोध चुन लिया जाएगा। उपराष्ट्रपति के चुनाव में वोटिंग गुप्त होती है। ऐसे में क्रॉस वोटिंग की संभावना भी रहती है। चुनाव आयोग की तरफ से शेड्यूल जारी होने के बाद सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। चुनाव आयोग द्वारा जारी शेड्यूल के मुताबिक, 7 अगस्त को इलेक्शन कमीशन उपराष्ट्रपति चुनाव के संबंध में नॉटिफिकेशन जारी करेगा। पद के लिए नॉमिनेशन दाखिल करने की आखिरी तारीख 21 अगस्त तय की गई है। इसके बाद 22 अगस्त को सभी दाखिल नॉमिनेशन की स्क्रूटनी की जाएगी। 25 अगस्त को कैंडिडेट द्वारा नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख है। 9 सितंबर को संसद सदस्य उम्मीदवार के लिए मतदान करेंगे। मतदान का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक रखा गया है। इस चुनाव में राज्यसभा के 233 इलेक्टेड, 12 नॉमिनेटेड और लोकसभा के 543 सदस्य हिस्सा लेंगे। बता दें कि 21 जुलाई को जगदीप धनखड़ ने उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल 10 अगस्त 2027 को समाप्त होने वाला था। लेकिन धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफे की घोषणा की थी।

## संस्कृत को बातचीत का माध्यम बनाने की जरूरत... नागपुर में बोले आरएसएस चीफ मोहन भागवत

**नागपुर।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि संस्कृत सभी भारतीय भाषाओं की जननी है और इसे संचार का माध्यम बनाने की आवश्यकता है। कवि कुलगुरु कालीदास संस्कृत विश्वविद्यालय में एक भवन के उद्घाटन समारोह में भागवत ने कहा कि संस्कृत को समझने और उसमें संवाद करने की क्षमता रखने में अंतर होता है।

उन्होंने कहा कि संस्कृत विश्वविद्यालय को सरकारी संरक्षण मिलेगा, लेकिन जनता का संरक्षण मिलना भी जरूरी है। आरएसएस प्रमुख ने कहा, 'मैंने यह भाषा सीखी है, लेकिन मैं इसे धाराप्रवाह नहीं बोल पाता हूं। संस्कृत को हर घर तक पहुंचाने की जरूरत है और इस भाषा में संवाद जरूरी है।'

### संस्कृत सभी भारतीय भाषाओं की जननी: भागवत

भागवत ने कहा कि 'आत्मनिर्भर' बनने की आवश्यकता पर सभी एकमत हैं, जिसके लिए हमें अपनी बुद्धि और ज्ञान का विकास करना होगा। उन्होंने कहा, 'भाषा एक भाव है। स्वत्व कोई भौतिक चीज नहीं, बल्कि व्यक्तिगत है और यह भाषा के माध्यम से अभिव्यक्त होती है। संस्कृत सभी भारतीय भाषाओं की उत्पत्ति का स्रोत है।' आरएसएस प्रमुख ने कहा कि संस्कृत को जानना, देश को समझने के समान है। भागवत ने विश्वविद्यालय में अभिनव भारती अंतरराष्ट्रीय अकादमिक भवन का उद्घाटन किया।

## सीएम नीतीश ने सुबह-सुबह किया बड़ा ऐलान, बिहार में इन कर्मचारियों के वेतन में दोगुनी बढ़ोतरी

**पटना, एजेंसी।** बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दलों ने कमर कस ली है और चुनावी तैयारियों को तेज कर दिया है। राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी जनता के लिए चुनाव से पहले सरकारी खजाना खोल दिया है। सीएम नीतीश एक के बाद लगातार लोकलुभावन ऐलान कर रहे हैं। इनमें फ्री बिजली, महिला आरक्षण, युवा आयोग के गठन समेत कई ऐलान शामिल हैं। अब सीएम नीतीश ने शुक्रवार को सुबह-सुबह एक और बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने शिक्षा विभाग के कई कर्मचारियों की मानदेय राशि बढ़ाने का ऐलान किया है।

CM नीतीश ने कहा- ₹नवम्बर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही हमलोग शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार काम कर रहे हैं। वर्ष 2005 में शिक्षा का कुल बजट 4366 करोड़ रूपए था जो अब बढ़कर 77690 करोड़ रूपए हो गया है। बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति, नए विद्यालय भवनों के निर्माण एवं आधारभूत संरचनाओं के विकास से शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार हुआ है। शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में रसोइयों, रात्रि प्रहरियों तथा शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसे ध्यान में रखते हुए हमलोगों ने इन कर्मियों की मानदेय राशि में सम्मानजनक वृद्धि करते हुए इसे दोगुना करने का निर्णय लिया है।

### किसका वेतन कितना बढ़ेगा?

शिक्षा विभाग के अंतर्गत मध्याह्न भोजन में कार्यरत रसोइयों के मानदेय में दोगुनी वृद्धि करते हुए 1650 रूपए से 3300 रूपए करने का निर्णय लिया गया है। वहीं माध्यमिक/उच्च शिक्षा विद्यालय में कार्यरत रात्रि प्रहरी का मानदेय 5000 रूपए से दोगुना करते हुए इसे अब 10000 रूपए करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशकों का मानदेय 8 हजार रूपए से दोगुना करते हुए अब 16 हजार रूपए करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही इनकी वार्षिक वेतन वृद्धि 200 रूपए के स्थान पर 400 रूपए करने का निर्णय लिया गया है। इससे कार्यरत कर्मियों के मनोबल में वृद्धि होगी और वे अधिक उत्साह एवं लगन से अपने कार्यों का निष्पादन करेंगे।'

## भारत नहीं खरीदेगा अमेरिका से स्टील्थ एफ-35 लड़ाकू विमान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ और जुर्माना लगाने की घोषणा के बाद भारत विकल्पों की तलाश में जुट गया है। इस बीच सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिसमें कहा गया है कि भारत अब अमेरिका से रक्षा उपकरण खरीदने को लेकर विचार करेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने अमेरिका को सूचित किया है कि वह एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान खरीदने का इच्छुक नहीं है। हालांकि, इस पर आधिकारिक बयान नहीं आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, नरेंद्र मोदी की सरकार घरेलू स्तर पर रक्षा उपकरणों के संयुक्त डिजाइन और विनिर्माण पर केंद्रित साझेदारी में अधिक रुचि दिखा रही है, जो टैरिफ मामले में भारत की नाराजगी का पक्ष मजबूत करेगा। इसके अलावा भारत व्हाइट हाउस को शांत करने के लिए भी विकल्पों पर विचार कर रहा है, जिसमें अमेरिकी आयात को बढ़ावा देना भी शामिल है। हालांकि, भारत ने 25 प्रतिशत टैरिफ की कार्रवाई पर तत्काल जवाबी कार्रवाई से इनकार कर दिया है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत अब अमेरिका से रक्षा खरीद की योजना पर फिलहाल काम नहीं करेगा। भारत अमेरिका को शांत करने के लिए प्राकृतिक गैस की खरीद बढ़ाने, संचार उपकरणों और सोने का आयात बढ़ाने पर विचार कर रहा है। खरीद बढ़ाने से अगले 3 से 4 साल में अमेरिका के साथ भारत के व्यापार अधिशेष को कम किया जा सकता है। भारत अमेरिका से अच्छे द्विपक्षीय संबंध चाहता है।

ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाते हुए कहा कि भारत के टैरिफ दुनिया में सबसे अधिक हैं और इससे वह सहमत नहीं हैं। इसके अलावा उन्होंने रूस से तेल और हथियार खरीद पर भी नाराजगी जताई, जिसको उन्होंने यूक्रेन युद्ध बढ़ाने के लिए एक तरह से वित्तपोषण बताया। बुधवार को उन्होंने यहां तक कह दिया कि रूस और भारत क्या करते हैं, उससे उनको कोई मतलब नहीं है और उन्होंने दोनों देशों को मरी हुई अर्थव्यवस्था बताया है। मोदी इस साल फरवरी में वाशिंगटन डीसी की यात्रा पर ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक की थी।

# प्रयागराज में गंगा और यमुना उफान पर, कभी भी खतरे का निशान पार कर सकती हैं नदियां

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**प्रयागराज।** प्रयागराज में गंगा और यमुना उफान पर हैं। कछारी इलाकों के बाद बस्तियों में पानी बढ़ता जा रहा है। लोग घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं। नदियां कभी भी खतरे के निशान को पार कर सकती हैं। जलस्तर खतरे के बिंदु के नजदीक पहुंच गया है। प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए बाढ़ चौकियों को सक्रिय कर दिया है।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में नाव चलाकर लोगों को राहत सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। फिलहाल जिले के आधा दर्जन से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं जबकि करीब दो दर्जन मुहल्लों के लोग पलायन करने के लिए बाध्य हैं। हालांकि प्रशासन ने तीन गांवों को ही पूरी तरह से प्रभावित माना है।

सिंचाई विभाग की ताजा बुलेटिन के अनुसार गंगा और यमुना का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। एक अगस्त की बुलेटिन के अनुसार दोपहर 12 बजे तक नैनी में यमुना का जलस्तर 83.81 मीटर रिकॉर्ड किया गया है। यहां पर खतरे का निशान 84.734 मीटर पर है। इसी तरह फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 83.48 मीटर दर्ज किया गया है जो खतरे के बिंदु 84.734 मीटर के काफी नजदीक है। यमुना 27 सेंटीमीटर और गंगा 26 सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रही हैं।

### केन, चंबल, बेतवा और गंगा व यमुना में तेजी से बढ़ रहा जलस्तर

केन, चंबल, बेतवा और गंगा व यमुना नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में एक बार फिर बाढ़ की आशंका पैदा हो गई है। वैसे प्रशासन अभी सिर्फ एक गांव को बाढ़ प्रभावित बता रहा है। बाढ़ की आशंका को देखते हुए जिले की 95 बाढ़ चौकियों को बुधवार से सक्रिय कर दिया गया है। गंगा, यमुना खतरे के निशान से करीब दो मीटर के नीचे हैं। हालांकि, लगातार जलस्तर बढ़ने से प्रशासन ने सभी आठ गेट बंद कर दिए हैं। जिले में प्रमुख गंगा, यमुना नदियां है। इसके अलावा टोंस, बेलन, वरुणा, मनसौता, ससुरखदेरी आदि नदियां हैं। इन नदियों के किनारे नगर की ओर बक्शी बांध, बेनी बांध, यमुना बांध नंबर एक व दो बनाए गए हैं।

### नाव से कराई जा रही है सामग्री का वितरण

इन बांधों का उच्चतम स्तर 89.50 मीटर रखा गया है जो वर्ष 1978 में आई बाढ़ के जलस्तर से अधिक है। नगर के निचले हिस्से में जल निकासी के लिए बक्शी बांध, मोरी गेट, बलुआघाट, चाचरनाला, मम्फोर्डगंज, राजापुर में पंपिंग स्टेशन बनाए गए हैं। इनसे जल निकासी कराई जाती है। बाढ़ सुरक्षा योजना के तहत बक्शी बांध पर पंप हाउस का निर्माण किया गया है। एडीएम विनीता सिंह ने बताया कि सभी गेट बंद कर दिए गए हैं। चिल्ला घाट पर 97.40 मीटर तक पानी पहुंच गया है। जबकि खतरे का लेवल 99 मीटर है। खतरे के निशान से सभी नदियां नीचे हैं। सामग्री वितरण के लिए एक नाव लगा दी गई है।

### कछार के डेढ़ दर्जन गांव बाढ़ से घिरे

गंगा-यमुना के बढ़ते जलस्तर के कारण पखवारे भर में ही झूंसी के कछारी गांवों के ग्रामीणों का संकट फिर बढ़ गया है। पिछले दो दिनों से कछार के तकरीबन डेढ़ दर्जन गांव चौतरफा बाढ़ से घिर गए हैं। प्रशासन की ओर से लगाई गई चार छोटी नावें ही ग्रामीणों के आवागमन का साधन बनी हुई हैं। औरैया के साथ ही पहाड़ों से आ रहे पानी के कारण गंगा-यमुना का जलस्तर पिछले तीन दिनों से रोजाना बढ़ रहा है। बृहस्पतिवार को भी दिनभर तेजी के साथ जलस्तर बढ़ता रहा। रातभर में बदरा-सोनौटी मार्ग पर पानी डेढ़ से दो फीट तक बढ़ गया था। देखते ही देखते बदरा, सोनौटी, ढोलबजवा, बहादुरपुर, गंजिया, हेतापट्टी, इब्राहिमपुर, खजुरी, फतेहपुर, एकलासपुर, मदारपुर, पैगंबरपुर, फैज्जुलापुर, सकरा, इब्राहिमपुर, शेरडीह, रहिमापुर समेत तकरीबन डेढ़ दर्जन से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं।

जलस्तर बढ़ने के कारण रहिमापुर मार्ग से भी बृहस्पतिवार की शाम से आवागमन बंद हो गया था। ग्रामीणों की सैकड़ों बीघे धान की फसल भी चौपट हो गई है। नई तथा पुरानी झूंसी के तटवर्ती इलाकों में रहने वाले लोग मकान की ऊपरी मंजिल में ठौर बनाए हुए हैं। गंगा तट के मंदिर व आश्रमों में भी बाढ़ का पानी दाखिल हो गया है। बाढ़ की विभीषिका से ग्रामीण बुरी तरह दहशत में हैं। हालांकि प्रशासनिक अमला लगातार हालात पर नजर रखे हुए है। स्वास्थ्य विभाग को भी सतर्क रहने को कहा गया है। बाढ़ प्रभावित बदरा-सोनौटी गांव में बृहस्पतिवार की सुबह तकरीबन सात बजे से बिजली आपूर्ति ठप कर दी गई। बढ़ते जलस्तर के कारण बदरा-सोनौटी गांव की ओर जाने वाले मार्ग पर ज्यादातर बिजली के खंभे बाढ़ की चपेट में हैं। इसी वजह से सुबह तकरीबन सात बजे बदरा-सोनौटी गांव की बिजली आपूर्ति उपकेंद्र से बंद कर दी गई।

### बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का एसडीएम ने किया निरीक्षण

करछना तहसील क्षेत्र में गंगा व टोंस के बढ़ते जल स्तर को देखते हुए एसडीएम आकांक्षा सिंह ने बृहस्पतिवार को बाढ़ प्रभावित कछार क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान सभी कानूनगो, लेखपाल को क्षेत्र में मौजूद रहने के लिए निर्देशित किया। राहत शिविरों निरीक्षण करते हुए उन्होंने वहां पर तैनात लोगों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। निर्देशित किया गया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में लोगों की सुविधा को देखते हुए राजस्व की टीम मौजूद रहेंगी। और वह लोगों की हर संभव मदद करेगी। अगर जलस्तर और बढ़ता है तो लोगों को बढ़ राहत शिविर में भेजा जाएगा। शिविरों में रहने वालों के लिए खाने की व्यवस्था तहसील प्रशासन की ओर से की गई है। क्षेत्र के महेवा, कटका देहली भगेसर, भगनपुर, खजुरोल, बघेड़ा,अरैल, मवैया, मनैया, डीहा, लकटहा में बाढ़ से क्षेत्र प्रभावित हैं।

## दो सड़क हादसों में 9 घायल, पांच की हालत गंभीर

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर जिले में शुक्रवार की भोर में 2 व 3 बजे अयोध्या-प्रयागराज हाईवे पर कूरेभार थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क हादसों में कुल नौ लोग घायल हो गए। इनमें से पांच की हालत गंभीर है। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर रेफर किया गया। पहली घटना सैदखानपुर पटना गांव के समीप हुई। यहां एक आर्टिका कार नीलगाय को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकराई। फिर कार गड्ढे में जा गिरी। कार में सुल्तानपुर जनपद के कुड़वार थाना क्षेत्र के वल्लीपुर गांव के एक ही परिवार के लोग सवार थे। वे अयोध्या से बहन का इलाज कराकर लौट रहे थे। इस दुर्घटना में आकृति श्रीवास्तव (28), शुभम श्रीवास्तव (32), सृष्टि श्रीवास्तव (17) और कार चालक अरिन श्रीवास्तव घायल हो गए।

# पार्वती नदी का रौद्र रूप...पानी में तिनके की तरह बह गया कैंटर, नजारा देखकर लोग हैरान

आर्यावर्त संवाददाता

**आगरा।** आगरा के लादूखेड़ा में पार्वती नदी में आई बाढ़ के चलते कैंटर बह गया। कैंटर सवार चार लोग डूब गए, जिनमें से दो को सुरक्षित निकाल लिया गया। बताया गया है कि राजस्थान स्थित आगई बांध से पानी का डिस्चार्च किया गया। इस वजह से राजस्थान सीमा स्थित कुसेंडा गांव के पास बनी रपट पर पार्वती नदी सात फुट ऊंचा बह रही है। इसी वजह से ये हादसा हुआ। पानी में कैंटर सवार चार लोग डूब गए, जिनमें से दो को रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाल लिया गया। दो की तलाश की जा रही है।

घटनाक्रम के अनुसार शुक्रवार सुबह कैंटर गोबर चौकी ताजगंज आगरा से लादूखेड़ा होते हुए कबाड़ा लेने मनिया जा रहा था। कैंटर में चालक सहित चार लोग सवार थे। आगरा ग्वालियर हाईवे स्थित टोल से बचने के लिए ड्राइवर कैंटर को राजस्थान स्थित कुसेंडा गांव के पास बनी रपट पर पार्वती नदी से होते हुए मनिया ले जा रहा था। रास्ते में ग्रामीणों ने कई बार ड्राइवर को उस रास्ते जाने से मना किया परंतु उसने किसी की ना सुनी। ग्रामीणों के मना करने के चलते कैंटर सवार मुकेश पुत्र मोहन सिंह निवासी बमरौली कटरा नदी शुरू होने से पहले ही कैंटर से उतर गया। थोड़ा आगे ही रपट की ओर बढ़ते ही तीन फुट ऊपर बह रहे पानी के तेज बहाव के चलते कैंटर नदी में डूबने लगा। इस दौरान रवि पुत्र हीर सिंह निवासी गोबर चौकी ताजगंज कैंटर से कूद गया। कैंटर में पड़े कुछ प्लास्टिक के बोरों के सहारे मौके पर एकत्रित ग्रामीणों ने उसे एक टीले पर ले जाकर बिठा दिया, जिसे बाद में रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान बाहर निकाल लिया गया। चालक राकेश और मुकेश निवासी गोबर चौकी ताजगंज कैंटर के साथ नदी में डूब गए। घटना के एक घंटे बाद राजस्थान प्रशासन मौके पर पहुंची। गोताखोरों की मदद से डूबे हुए दो लोगों की तलाश शुरू की गयी है।

# मैनपुरी में भीषण हादसा, एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत, जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे थे कार सवार

आर्यावर्त संवाददाता

मैनपुरी। मैनपुरी जिले के बेवर थाना क्षेत्र के जीटी रोड हाईवे पर ग्राम नगला ताल के पास एक भीषण सड़क हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक बच्ची घायल है। जीटी रोड हाईवे पर आवागमन करीब एक घंटे तक बंद रहा।

बेवर की ओर से छिबरामऊ जा रही एक स्विफ्ट डिजायर कार अचानक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर पार करते हुए कानपुर-आगरा लेन में पहुंच गई। इस लेन पर नवीगंज से आ रहे एक ट्रक से कार बुरी तरह टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दीपक (36), उनकी पत्नी पूजा (34), बेटियां आशी (9), आर्या (4) और बहन सुजाता (50) शामिल हैं।

दीपक का परिवार मैनपुरी के ही किशनी थाना क्षेत्र के गांव हरीपुर कैथोली गांव का रहने वाला है। दीपक व उनका परिवार आगरा में भतीजी काव्या चौहान का जन्मदिन मनाकर लौट रहा था। इस दुर्घटना में दीपक की 11 वर्षीय बेटी आराध्या गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेवर ले जाया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

### दूसरी दुर्घटना में एक और व्यक्ति घायल

इस दुर्घटना के ठीक 5 मिनट बाद उसी जगह के पास एक पिकअप वैन पीछे से डीसीएम में घुस गई। इस हादसे में पिकअप का चालक एहसान गाड़ी में फंस गया। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से उसे बाहर निकाला गया और इलाज के लिए सीएचसी बेवर में भर्ती कराया गया। एहसान अपने भाई यशपाल के साथ बिहार जा रहा था।

# बागपत में ढाबे पर थूककर रोटी बनाता दिखा कारीगर, वीडियो वायरल होने पर फैला रोष

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**बागपत।** बागपत जनपद के दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाईवे (NH-709B) पर स्थित खेकड़ा पाठशाला पुलिस चौकी के पास एक ढाबे से शर्मनाक हरकत सामने आई है।

यहां एक कारीगर को रोटी पर थूककर उसे तंदूर में सेंकते हुए देखा गया। घटना का वीडियो मौके पर मौजूद किसी ग्राहक ने बना लिया, जो कुछ ही देर में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद ढाबे पर जमकर हंगामा हुआ। ग्राहकों और स्थानीय लोगों ने कारीगर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। लोगों ने कहा कि इस तरह की हरकत न सिर्फ घिनौनी है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए बेहद ख़तरनाक भी है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने वायरल वीडियो के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की पूरी गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि इससे पहले भी बागपत जिले में ढाबों पर थूककर रोटियां बनाने के कई वीडियो वायरल हो चुके हैं, जिनमें पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार भी किया था।

# विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों ने दिए पर्यावरण संरक्षण के संदेश

## सूर्या एकेडमी अमहट में आयोजित हुई विज्ञान प्रदर्शनी, 150 छात्र हुए शामिल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**सुल्तानपुर।** सूर्या एकेडमी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, अमहट में बुधवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में कक्षा 9 से 12 तक के लगभग 150 छात्रों ने भाग लिया और विज्ञान के विभिन्न मॉडल तथा प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया।

छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त समाज और पौधारोपण जैसे विषयों पर आधारित प्रयोगात्मक मॉडल प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी में बच्चों की रचनात्मकता और नवाचार देखने योग्य रहा, जिसे अभिभावकों व अतिथियों ने खूब सराहा। विद्यालय की प्रबंधक श्रीमती रंजना शंकर श्रीवास्तव, प्रधानाचार्या मंजू सेन और उपप्रधानाचार्य प्रदीप सर के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के संचालन में सरिता मैम, अमीतेश सर, मोहित सर, किरण मैम सहित समस्त शिक्षकगण ने विशेष सहयोग किया। प्रधानाचार्या मंजू सेन ने बताया कि छात्रों के ऐसे प्रयास न केवल उनके कौशल को निखारते हैं, बल्कि समाज को जागरूक करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# हाईकोर्ट का अहम फैसला : आपराधिक मामला लंबित होने पर भी मृतक आश्रित को नौकरी से नहीं कर सकते इन्कार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

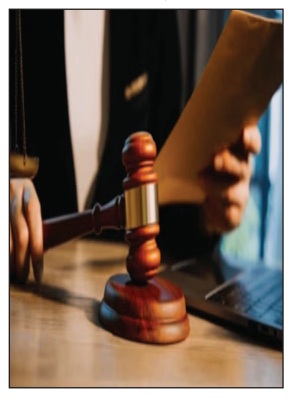

**प्रयागराज।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि केवल आपराधिक मामला लंबित होने के आधार पर अनुकंपा नियुक्ति से इन्कार नहीं किया जा सकता है। नियोक्ता को नियुक्ति देने के लिए अपने विवेक का उपयोग निष्पक्ष रूप से करना चाहिए। यह टिप्पणी करते हुए न्यायमूर्ति अजीत कुमार ने महेश कुमार चौहान की याचिका स्वीकार कर ली।

देवरिया निवासी याची के पिता की सेवाकाल के दौरान मृत्यु हो गई। याची ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए संबंधित विभाग में अर्जी दाखिल की। उसकी अर्जी को इस आधार पर खारिज कर दिया गया था कि उसके खिलाफ एक आपराधिक मामला लंबित था और चरित्र प्रमाण पत्र भी आपराधिक मामले के परिणाम के अधीन था। इसके खिलाफ याची ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि अनुकंपा नियुक्ति का उद्देश्य परिवार को तत्काल वित्तीय संकट से उबारना होता है। ऐसे में केवल आपराधिक मुकदमे के लंबित होने पर नियुक्ति को स्थगित कर दिया जाता है, तो अनुकंपा नियुक्ति का उद्देश्य विफल हो जाएगा। कोर्ट ने अवतार सिंह बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों का हवाला देते अधिकारियों को नए आदेश पारित करने का निर्देश देते हुए रिट याचिका को स्वीकार कर लिया।

# 'प्रेमानंद महाराज और अनिरूद्धाचार्य माफी मांगें', जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने की मांग

आर्यावर्त संवाददाता

**वृंदावन।** कथावाचक अनिरूद्धाचार्य इन दिनों अपने बयानों को लेकर विरोध झेल रहे हैं। उनके बयानों के खिलाफ जमीन से लेकर सोशल मीडिया तक, लगातार आक्रोश देखने को मिल रहा है। उनके बयान के वायरल होने के बाद प्रेमानंद महाराज का भी एक बयान वायरल हुआ। हालांकि, प्रेमानंद महाराज को अधिकांश लोगों ने सही ठहराया है। इस बीच जगतगुरु परमहंस आचार्य महाराज ने अनिरूद्धाचार्य को कम ज्ञानी बताया है।

वृंदावन पहुंचे परमहंस आचार्य महाराज ने कहा कि अनिरूद्धाचार्य को ज्ञान का अभाव है या पैसों का अहंकार। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रेमानंद महाराज ने कन्याओं के लिए जो भी कहा उसमें उनका भाव ठीक था लेकिन शब्दावली ठीक नहीं थी। उन्होंने कहा कि श्रीजी रो रही हैं, क्योंकि आपने कन्याओं के लिए जो कहा है वह बिल्कुल गलत है। मैं चाहता हूं कि आप माफी मांगे और बयान जारी करें अन्यथा समाज आपको कभी माफ नहीं करेगा।

### 'मुझे खुद राधा रानी ने बताया'

बातचीत में उन्होंने बताया कि 'मैं मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की नगरी से आया हूं और श्रीजी की नगरी में पहुंचा हूं। यहां पहुंचने के बाद मुझे पता चला कि श्रीजी की नगरी में कन्याओं को लेकर टिप्पणी की गई है। उस टिप्पणी से मुझे बहुत ही ज्यादा पीड़ा हुई है। खासकर तब जब कथावाचक के साथ-साथ संत प्रेमानंद महाराज ने टिप्पणी की। वो तो राधा रानी के सबसे बड़े भक्त बताए जाते हैं।' उन्होंने कहा कि 'आज के समय में प्रेमानंद महाराज को सबसे ज्यादा पूजनीय माना जाता है। उनके द्वारा कन्याओं के प्रति इस प्रकार की टिप्पणी करना बहुत ही निंदनीय है। मुझे बहुत ही ज्यादा कष्ट हुआ, जब मैंने उनका वीडियो सुना।'

अपनी बात को जारी रखते हुए उन्होंने कहा, 'मैं आपको बता दूं। मुझे स्वयं राधा रानी ने कहा कि मुझे बहुत पीड़ा हुई है कि मेरे भक्त द्वारा ऐसा कहा गया। वह रो रही हैं। जिस दिन महाराज ने यह शब्द का प्रयोग किया था, उस दिन राधा रानी श्रीजी काफी पीड़ा में थीं।'

### कथावाचक को ज्ञान नहीं या पैसों का घमंड

उन्होंने कथावाचक अनिरुद्धाचार्य को लेकर कहा कि 'या तो उन्हें पैसों का अहंकार हो गया है या फिर उनको बिल्कुल ही ज्ञान नहीं है, क्योंकि कम उम्र में उन्होंने ज्यादा पैसा ज्यादा उन्नति कर ली है। उन्हें वो पचा नहीं पा रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं तो सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि दोनों एक बार फिर से समाज के समक्ष आकर माफी मांग लें और आगे से ऐसी कोई भी बात ना करें। कन्याओं के ऊपर टिप्पणी करना स्वयं श्रीजी पर टिप्पणी करना है, क्योंकि कन्या श्रीजी का रूप होती हैं और उनका बोलना ठीक नहीं।

# पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर इनोवा कार में मादक पदार्थों की तस्करी का बड़ा खुलासा

आर्यावर्त संवाददाता

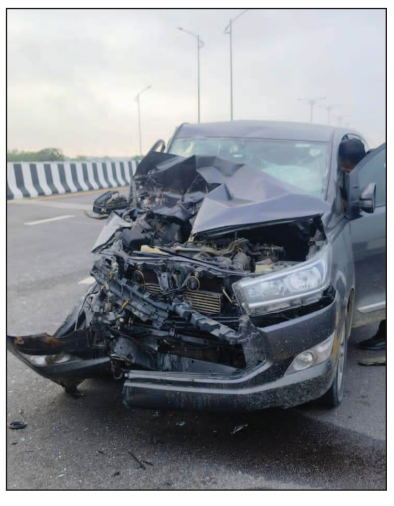

**हलियापुर/सुल्तानपुर।** थाना हलियापुर क्षेत्र में 31 जुलाई की पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर , माइल्स स्टोन 82 के समीप संदिग्ध इनोवा कार एक अज्ञात वाहन से टकरा गई। पकड़े जाने की डर से रात में ही इनोवा कार में मौजूद लोग मौके से फरार हो गए। इस घटना की जानकारी यूपीडा कर्मियों ने हलियापुर थानाध्यक्ष तरुण पटेल को दिया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और इनोवा कार को कब्जे में लेकर थाने ले आई। जब पुलिस की टीम ने वाहन की जांच की तो उनके होश उड़ गए। कार के भीतर बोरियों में भारी मात्रा में180 कि०ग्रा० मादक पदार्थ पोस्ता का छिलका मिला। प्रारंभिक जांच में यह प्रतीत होता है कि इस वाहन के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी की जा रही थी। इस बाबत थानाध्यक्ष तरुण पटेल ने बताया कि इनोवा कर में 180 किलोग्राम पोस्ता का छिलका मिला है, मुकदमा दर्जकर जांच पड़ताल शुरु है।

बड़ा सवाल यह है कि यह मादक पदार्थों एवम गोबन्शों की तस्करी के लिए तस्कर पूर्वांचल एक्सप्रेस वे को ही सुरक्षित क्यों मॉन रहे हैं ? इनोवा कार का नंबर पंजाब राज्य से जुड़ा है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि तस्कर अंतरराज्यीय नेटवर्क का हिस्सा हो सकते हैं। घटनाएं न केवल कानून व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती है, बल्कि यूपीडा (उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण) और पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर भी बड़ा सवाल खड़ा करती है। यूपीडा और जिला की पुलिस की ओर से निगरानी के तमाम दावों के बावजूद भारी मात्रा में मादक पदार्थों का इस मार्ग से गुजरना सुरक्षा तंत्र की चूक को उजागर करता है। यह देखना अहम होगा कि पुलिस कब तक इस पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ कर पाती है ?

## संक्षेप

### तेज आवाज में साउंड बजाने से मना किया तो की पिटाई

लखनऊ। गोसाईगंज क्षेत्र के अमेठी कस्बे में कोचिंग के ऊपर स्थित जिम में तेज आवाज में बज साउंड की आवाज कम कराने को लेकर हुए विवाद में एक पक्ष के युवकों ने दुसरे पक्ष के दो लोगों की पिटाई कर दी। महुरा कला गांव के रहने वाले हौशलेन्द्र पटेल के अनुसार उनका पुत्र तीरथ राम पटेल अमेठी चौराहे पर स्थित लाइब्रेरी में पढ़ता है।शुक्रवार की शाम भी वह अपने दोस्तों के साथ लाइब्रेरी में पढ़ रहा था।तभी लाइब्रेरी के ऊपर स्थित जिम में तेज आवाज में साउंड बज रहा था।जिसपर तीरथ राम पटेल साउंड की आवाज कम कराने के लिए ऊपर जिम में गया था।जहां मौजूद लोगों ने तरुण यादव व अन्य ने तीरथ राम की पिटाई कर दी।बेटे की पिटाई की जानकारी होने पर जब पिता हौशलेन्द्र पटेल इसकी शिकायत करने पहुंचे तो आरोपितों ने उनकी भी पिटाई कर गई।मामले की जानकारी होने पर दोनों पक्षों के सैकड़ों लोग मौके पर पहुंच गए जिससे स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई।वहीं घटना की सूचना पाकर भारी पुलिस फ़ोर्स के मौके पर पहुंचे इंस्पेक्टर गोसाईगंज ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने दोनों पक्षों के लोगों को समझाबुझाकर मामला शांत कराया।इस सम्बंध में इंस्पेक्टर ब्रजेश त्रिपाठी ने बताया कि तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूंछतांछ की जा रही है

### बांदा कृषि विश्वविद्यालय पहुंचे कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, विकास परियोजनाओं की समीक्षा कर दी सख्त हिदायत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने शुक्रवार को बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय का दौरा किया, जहां उन्होंने विश्वविद्यालय में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं का गहन निरीक्षण कर उनकी समीक्षा की। मंत्री शाही ने निर्माण कार्यों से जुड़ी एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी परियोजनाएं तय समय सीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता मानकों के साथ पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय की शैक्षिक और अनुसंधान क्षमताओं का विस्तार करना है, ताकि छात्रों और शोधकर्ताओं को उन्नत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।निरीक्षण के दौरान कृषि मंत्री ने हाल ही में स्थापित दो महत्वपूर्ण सुविधाओं—आधुनिक ऑर्गेनिक प्रोडक्ट टेस्टिंग लैब और शिक्षण पशुचिकित्सा क्लीनिक—का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि ये सुविधाएं न केवल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाएंगी, बल्कि क्षेत्रीय किसानों को भी व्यावहारिक लाभ पहुंचाएंगी। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की कृषि शिक्षा प्रणाली को तकनीकी दृष्टि से समृद्ध बनाने की दिशा में यह एक सराहनीय कदम है।इस अवसर पर आयोजित बैठक में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.वी.एस. राजू, अपर निदेशक जे.पी. चौधरी, संयुक्त निदेशक एल.बी. यादव, भाजपा के जिलाध्यक्ष सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्यजन उपस्थित रहे। बैठक में मंत्री शाही ने विश्वविद्यालय के शैक्षिक ढांचे के सुदृढ़ीकरण, किसानों से समन्वय और शोध कार्यों की दिशा में आगे की रणनीति पर भी चर्चा की।कृषि मंत्री के इस दौरे को विश्वविद्यालय के भविष्य के लिए निर्णायक माना जा रहा है। इससे न केवल संस्थान के अधोसंरचना विकास को बल मिलेगा, बल्कि यह बांदा कृषि विश्वविद्यालय को प्रदेश के अग्रणी कृषि शिक्षण संस्थानों की श्रेणी में भी स्थापित करेगा।

### बुंदेलखण्ड विकास निधि से जालौन को 1.39 करोड़ की सौगात, गौरा भूपका-इटवां कनार संपर्क मार्ग का होगा निर्माण

जालौन,लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने बुंदेलखण्ड क्षेत्र के सतत विकास के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2025–26 में बुंदेलखण्ड विकास निधि (राज्यांश) के अंतर्गत जनपद जालौन को 1 करोड़ 39 लाख 61 हजार रुपये की धनराशि मंजूर की है। यह धनराशि जिले की एक महत्वपूर्ण सड़क परियोजना के क्रियान्वयन के लिए स्वीकृत की गई है, जिससे ग्रामीण संपर्क में सुधार होगा और स्थानीय निवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी।नियोजन विभाग द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार यह धनराशि जनपद जालौन के गौरा भूपका से इटवां कनार संपर्क मार्ग के निर्माण पर व्यय की जाएगी। शासनादेश की प्रति मुख्य विकास अधिकारी, जालौन को भेज दी गई है ताकि निर्माण कार्यों की प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके।शासनादेश में यह भी स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल निर्धारित परियोजना पर ही किया जाए और सभी निर्माण कार्य मानक विशिष्टियों के अनुरूप हों। किसी अन्य प्रयोजन में इस राशि का प्रयोग पूर्णत: वर्जित रहेगा।यह परियोजना बुंदेलखण्ड क्षेत्र के ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। संपर्क मार्ग के निर्माण से क्षेत्र के सामाजिक व आर्थिक विकास को भी बल मिलेगा।

### वाराणसी में सड़क और नाली निर्माण को मिले 906.91 लाख रुपये, त्वरित आर्थिक विकास योजना के तहत शासन ने दी मंजूरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने त्वरित आर्थिक विकास योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए वाराणसी जनपद में सड़क निर्माण से संबंधित विविध परियोजनाओं के लिए कुल 906.91 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। यह राशि जनपद वाराणसी के जिलाधिकारी के निवर्तन पर रखी गई है, जिससे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार कार्यों को शीघ्रता से क्रियान्वित किया जा सके।राज्य सरकार द्वारा जारी शासनादेश की प्रति जनपद को भेज दी गई है, जिसमें स्पष्ट निर्देश हैं कि इस धनराशि का उपयोग केवल उन्हीं निर्माण कार्यों के लिए किया जाएगा, जिनके लिए यह राशि स्वीकृत की गई है। इसमें वाराणसी के विभिन्न क्षेत्रों में सीसी रोड, नाली, पटरी और संपर्क मार्गों का निर्माण कार्य सम्मिलित है।सरकार ने इन कार्यों के निष्पादन हेतु ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को कार्यदायी संस्था नामित किया है। शासनादेश में यह भी निर्देशित किया गया है कि व्यय किसी भी स्थिति में स्वीकृत 906.91 लाख रुपये की सीमा से अधिक नहीं किया जाएगा और किसी अन्य प्रयोजन में इसका उपयोग प्रतिबंधित रहेगा।यह निर्णय सरकार की त्वरित आर्थिक विकास नीति के अनुरूप बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है, जिससे वाराणसी के नागरिकों को बेहतर सड़क सुविधाएं उपलब्ध होंगी और शहरी विकास को गति मिलेगी।

# यूपी बनेगा फुटवियर-लेदर विनिर्माण का वैश्विक केंद्र, सीएम योगी ने नीति पर की चर्चा

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को एमएसएमई विभाग की बैठक में कहा कि उत्तर प्रदेश को इस क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के पारंपरिक कौशल, प्रशिक्षित श्रमबल, कच्चे माल की प्रचुरता और आगरा, कानपुर व उन्नाव जैसे सशक्त औद्योगिक केंद्रों की मौजूदगी को देखते हुए एक समग्र, व्यावहारिक और परिणामोन्मुखी नीति का निर्माण आवश्यक हो गया है।

बैठक में 'उत्तर प्रदेश फुटवियर, लेदर एवं नॉन-लेदर क्षेत्र विकास नीति 2025' के प्रारूप पर विभागीय अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने क्लस्टर आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि नीति में स्पष्ट रूप से यह परिभाषित किया जाए कि प्रदेश के कौन-से क्षेत्र इस उद्योग के लिए सबसे उपयुक्त हैं।

मुख्यमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि यदि उत्पादन, डिज़ाइन, अनुसंधान और प्रशिक्षण को एकीकृत किया जाए तो यह क्षेत्र न केवल बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित कर सकता है, बल्कि लाखों युवाओं को रोजगार भी उपलब्ध करा सकता है। उन्होंने फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स जैसी अधोसंरचना सुविधाओं की स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया ताकि औद्योगिक इकाइयों को बेहतर कार्य वातावरण मिल सके।

अधिकारियों ने जानकारी दी कि प्रस्तावित नीति के तहत अगले कुछ वर्षों में लगभग 22 लाख नई नौकरियों के सृजन की संभावना है। वर्तमान में भारत इस क्षेत्र में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है, जिसमें उत्तर प्रदेश की भागीदारी महत्वपूर्ण है। अकेले कानपुर और उन्नाव में 200 से अधिक सक्रिय टैनरियां कार्यरत हैं, जबकि आगरा को देश की ₹फुटवियर राजधानी₹ के रूप में जाना जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति के तहत न केवल लेदर और नॉन-लेदर फुटवियर निर्माण इकाइयों को बढ़ावा दिया जाए, बल्कि इससे जुड़ी सहायक इकाइयों; जैसे बकल्स, ज़िप, सोल, इनसोल, लेस, केमिकल्स, डाइज, हील्स, थ्रेड्स, टैग्स और लेबल्स के निर्माण को भी विशेष प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मशीनरी निर्माण, विशेष रूप से चमड़ा सिलाई, कटिंग, मोल्डिंग और नॉन-लेदर सेफ्टी शूज़ बनाने वाली तकनीकों से संबंधित इकाइयों को भी समर्थन मिलना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समग्र दृष्टिकोण प्रदेश में एक पूर्ण एकीकृत फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम तैयार करेगा, जिससे 'डिज़ाइन टू डिलीवरी' मॉडल को स्थानीय स्तर पर साकार किया जा सकेगा। उन्होंने बेहतर उत्पादों के लिए स्किलिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग की मजबूत रणनीति तथा प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता को भी रेखांकित किया।

### सी.एम. युवा कॉनक्लेव एवं एक्सपो–2025 का भव्य समापन : 30 हजार से अधिक युवाओं ने स्वरोजगार के लिए दिखाई रुचि

**लखनऊ।** इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित तीन दिवसीय सी.एम. युवा कॉनक्लेव एवं एक्सपो-2025 का 1 अगस्त को उत्साहपूर्वक समापन हुआ। यह आयोजन प्रदेश सरकार की युवाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़ने की मंशा का प्रतीक बना, जिसमें 30 हजार से अधिक युवाओं, लाभार्थियों और संभावित उद्यमियों ने भाग लिया।30 जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्सपो का उद्घाटन किया और विभिन्न फ्रेंचाइज़ी ब्रांड्स, मशीनरी आपूर्तिकर्ताओं और ₹बिजनेस ऑन व्हील्स₹ मॉडलों के प्रतिनिधियों से संवाद किया। उन्होंने युवाओं के बीच व्याप्त उत्साह को देखकर प्रसन्नता जताई और आयोजन की अवधि एक दिन बढ़ाने की घोषणा की।तीन दिनों तक चले इस मेले में डॉ. गैराज, एमबीए मखानावाला, अमूल, दवा इंडिया, टाटा पावर और किड्ज़ी सहित 50 से अधिक ब्रांड्स ने अपने मॉडल प्रस्तुत किए।

## दिव्यांग बच्चों को बाटे उपकरण

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**लखनऊ।** गोसाईगंज स्थित खण्ड विकास कार्यलय में समग्र शिक्षा अभियान (समेकित शिक्षा) के अन्तर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एलिम्को कानपुर के सहयोग से परिषदीय विद्यालयों में अध्यनरत दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क उपस्कर उपकरण वितरण कैंप का आयोजन किया गया। शुक्रवार को अयोजित किये गए कैंप की शुरुआत माँ सरस्वती को माल्यार्पण करने व दीप प्रज्वलन कर की गई।

कैंप में मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि के रूप में पधारे मोहनलालगंज के विधायक अमरेश कुमार कुमार द्वारा 60 कान की मशीन (बीटीई) 7 ब्रेल किट व स्मार्ट केन 18 सीपी चेकर 18 बैसाखी व एल्बो क्रच 29 रोलेटर 3 सिलिकॉन कुशन 5 टी एल एम किट 22 ट्राईसाईकिल व 26 व्हील चेयर देकर 188 दिव्यांग बच्चों को लाभान्वित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी गोसाईगंज रामराज द्वारा की गई जिसमें विशेष अतिथि के रूप में परियोजना कार्यालय निशातगंज लखनऊ से आये नंदकुमार व ब्लॉक प्रमुख गोसाईगंज विनय वर्मा डिम्पल द्वारा बच्चों व अभिभावकों को संबोधित कर उनका उत्साह वर्धन किया गया।कैंप में सहायक विकास अधिकारी पंचायत कमल किशोर शुक्ला जिला समन्वयक (समेकित शिक्षा)संदीप तिवारी सहित स्पेशल एजुकेटर्स फिजियोथैरेपिस्ट एआरपी व अन्य स्टाफ मौजूद रहे

## राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से मिले नवनियुक्त मुख्य सचिव एसपी गोयल, शिष्टाचार भेंट की

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव का पदभार संभालने के बाद आईएएस अधिकारी एसपी गोयल ने शुक्रवार को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से मुलाकात की। इसे एक शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है। बता दें कि एसपी गोयल ने बृहस्पतिवार को ही मुख्य सचिव का पदभार संभाला।

इसके पहले, शशि प्रकाश गोयल अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री के पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उनके पास नागरिक उड्डयन, राज्य संपत्ति एवं प्रोटोकॉल विभाग की जिम्मेदारी भी थी। अब उन्हें मुख्य सचिव के पद पर तैनात करने के साथ अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, अपर मुख्य सचिव समन्वय विभाग, अध्यक्ष पिकप, यूपीडा एवं उपशा का मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा यूपीडा के निदेशक पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, नागरिक उड्डयन और राज्य संपत्ति विभाग की अतिरिक्त जिम्मेदारी प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री, गृह, प्रोटोकॉल, गोपन, वीजा, पासपोर्ट, सतर्कता एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग संजय प्रसाद को दी गई है।

**आठ वर्ष से सीएम कार्यालय में रहे तैनात**

आईएएस एसपी गोयल करीब आठ वर्ष से मुख्यमंत्री कार्यालय में तैनात हैं। 2017 में भाजपा सरकार बनने के बाद उन्हें मुख्यमंत्री का प्रमुख सचिव बनाया गया था। इसके बाद अपर मुख्य सचिव के पद पर प्रोन्नत होने के बाद भी वह मुख्यमंत्री कार्यालय में ही बरकरार रहे। वह मनोज कुमार सिंह के सेवानिवृत्त होने के वाद प्रदेश के सबसे वरिष्ठ आईएएस अधिकारी भी बन चुके हैं। बता दें कि मूल रूप से लखनऊ निवासी एसपी गोयल का जन्म 20 जनवरी 1967 को हुआ था। बीएससी (ऑनर्स) और एमसीए की पढ़ाई के बाद 1989 में उनका चयन भारतीय प्रशासनिक सेवा में हुआ था। उनकी पहली तैनाती इटावा में असिस्टेंट मजिस्ट्रेट के रूप में हुई थी। तत्पश्चात, बहराइच और अलीगढ़ के सीडीओ बने। वह देवरिया, मथुरा, इटावा, प्रयागराज, अलीगढ़ के डीएम भी रह चुके हैं। वहीं नियोजन, सिंचाई, कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग के सचिव पद की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। वह अक्तूबर 2014 से मई 2017 तक केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर मानव संसाधन विभाग में संयुक्त सचिव के रूप में सेवाएं दे चुके हैं।

## यूपी में दो उप जिलाधिकारियों के तबादले, अंबेडकरनगर व अमेठी के एसडीएम बदले

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**लखनऊ।** यूपी में दो उपजिलाधिकारियों के तबादले कर दिए गए हैं। अंबेडकरनगर के उपजिलाधिकारी सदानंद सरोज को शाहजहांपुर के उपाजिलाधिकारी के पद पर तैनाती दी गई है।

इसी तरह अमेठी के उपजिलाधिकारी मोहम्मद असलम को सहायक निदेशक के पद पर स्थानीय निकाय निदेशालय लखनऊ में तैनाती दी गई है।

इसके पहले डीजीपी मुख्यालय ने बृहस्पतिवार को 15 एएसपी और 39 डिप्टी एसपी रैंक के अधिकारियों के तबादले कर दिए। एएसपी के तबादलों में अयोध्या में यूपीएसएसएफ में तैनात अभय कुमार मिश्रा को विजिलेंस में तैनाती दी गई है। डीजीपी मुख्यालय में एएसपी स्थापना राहुल मिश्रा को देवरिया भेजा गया है। इसके अलावा यूपी 112 में तैनात मोहिनी पाठक को उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, नागरिक उड्डयन में तैनात धर्मेंद्र सचान को पुलिस मुख्यालय, वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त रंजन सिंह को आईजी स्थापना का स्टाफ ऑफिसर बनाया गया है। इसी तरह एसआईटी में तैनात अशोक कुमार यादव को ईओडब्ल्यू मुख्यालय में तैनात किया गया है।

वहीं डीएसपी के तबादलों में राजधानी में एसीओ जोन में तैनात गौरव कुमार शर्मा को नागरिक उड्डयन भेजा गया है। लखनऊ कमिश्नरेट में सहायक पुलिस आयुक्त नेहा त्रिपाठी को सीतापुर, जबकि धर्मेंद्र कुमार सिंह को 10वीं वाहिनी पीएसी बाराबंकी भेजा गया है। वहीं सहारनपुर में 5वीं वाहिनी एसएसएफ में तैनात प्रदीप कुमार यादव को लखनऊ कमिश्नरेट, सुमित त्रिपाठी को बाराबंकी से दूसरी वाहिनी पीएसी सीतापुर, आनंद कुमार चतुर्थ को डीजीपी मुख्यालय से 25वीं वाहिनी पीएसी रायबरेली, श्वेताभ भास्कर को अमरोहा से अमेठी, राकेश कुमार नायक को 28वीं वाहिनी पीएसी इटावा से एसएसएफ लखनऊ, रामशब्द को डीजीपी मुख्यालय से फिंगर प्रिंट ब्यूरो, संगम कुमार को एटीसी सीतापुर से बाराबंकी, शैलेंद्र सिंह को औरैया की जगह एलआईयू अयोध्या भेजा गया है।

## करंट की चपेट में आने से मजदूर की मौत

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**लखनऊ।** सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके के अर्जुनगंज स्थित गिट्टी प्लांट के पास एक झोपड़ी डाल कर रह सो रहे मजदूर की करंट लगने से मौत हो गई। सुबह जब वह काम पर नही पहुंचा तो साथी मजदूरों ने फोन किया। फोन नही उठा तो उसकी झोपड़ी में जाकर देखा तो वह मृत पड़ा था। जिसके बाद मजदूरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की तो उसकी झोपड़ी में करंट आ रहा था। पुलिस ने पहले तार कटवाया फिर शव को बाहर निकालकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम को भेजा।

पुलिस के मुताबिक ग्राम पहाड़पुर कोड़रा थाना तंबौर जिला सीतापुर का रहने वाला मेवालाल (45) सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में अर्जुनगंज क्षेत्र के गिट्टी प्लांट कब पास झोपड़ी में रहकर मजदूरी करता था।

पुलिस के मुताबिक सुबह वह जमीन पर वह सो रहा था। पास में एक विजली का बोर्ड पड़ा था। जिसमे पानी भरने की वजह से अंदर करंट आ रहा था। ऐसा लगता है कि रात की बारिश के दौरान उसे करंट लगा जिससे वह बाहर निकल नही पाया होगा। और करंट की चपेट में आ गया। पुलिस के मुताबिक उसका बेटा दो दिन पूर्व गांव चला गया गया। बेटा भी पिता के साथ रहकर मजदूरी करता था। पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को दी तो मौके पर पहुंचे मृतक के पिता पेशन रैदास ने शव का पंचनामा करवाकर पोस्टमार्टम भिजवाया।

## महिलाओं के लिए आसानी से ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने का मिलेगा मौका, 3 अगस्त को लगेगा शिविर



**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**लखनऊ।** आप 18 साल की हो गई हैं। आपके पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं हैं तो परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। आपकी सुविधा के लिए अमर उजाला लाया है आसानी से ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने का मौका। तीन अगस्त को डालीबाग स्थित अमर उजाला कार्यालय पर सुबह 10 से शाम 5 बजे तक लर्नर डीएल बनवाने के लिए शिविर लगाया जा रहा है।

सामाजिक सरोकारों के तहत एक ओर जहां लगातार अखबार में महिलाओं से संबंधित मुद्दों को उठाता रहा है। वहीं दूसरी ओर महिला हितों, उनकी सुविधाओं पर केंद्रित शिविर व कार्यशालाएं भी आयोजित कराता रहा है। इसी क्रम में अमर उजाला की ओर से बालिकाओं, महिलाओं के लिए विशेष लर्नर ड्राइविंग लाइसेंस शिविर लगाया जा रहा है। जहां महिलाएं आसानी से अपना लर्नर लाइसेंस बनवा सकती हैं। इस लाइसेंस को बनवाने के आधार कार्ड व उसमें पंजीकृत मोबाइल नंबर लेकर आना अनिवार्य है। जिन महिलाओं, बालिकाओं के पास लाइसेंस नहीं हैं, वे आसानी से डालीबाग स्थित अमर उजाला कार्यालय पर लगने वाले इस शिविर में डीएल बनवा सकती हैं। शिविर में डीएल बनवाने की सुविधा सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगी। शिविर में साइबर कैफे एक्सपर्ट आकाश एवं उनकी टीम लर्नर लाइसेंस बनवाने में मदद करेगी।

**डीएल के लिए लाएं ये दस्तावेज**

लर्नर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए बालिकाओं, महिलाओं को अपना आधार कार्ड लेकर आना होगा। इसके अतिरिक्त आधार कार्ड में जो मोबाइल नंबर पंजीकृत है, उसे साथ लेकर आना होगा। लर्नर डीएल बनवाने की सरकारी फीस 350 रुपये है, जो मौके पर ही जमा करनी होगी। यह है प्रक्रियाः सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी(एआरटीओ), प्रशासन प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि लर्नर लाइसेंस बनवाने के बाद परमानेंट ड्राइविंग लाइसेंस बनवाया जाता है। इसके लिए आवेदक को एक से छह महीने तक की सुविधा मिलती है। इस दौरान आवेदक को संबंधित आरटीओ आकर स्थायी डीएल की प्रक्रियाएं पूरी करनी पड़ेंगी।

## राजभवन के अधिकारियों की टीम ने किया पौध रोपड़

**आर्यावर्त संवाददाता**

**लखनऊ।** गोसाईंगंज के शिवलर स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में एक पेड़ मां के नाम एवं साइकिल रैली कार्यक्रम का आयोजन उपजिलाधिकारी मोहनलालगंज की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल की राजभवन के अधिकारियों की टीम राजभवन लखनऊ से साईकिल रैली जी बी वी खुजौली मोहनलालगंज पहुंची एवं उसके बाद वहां से के जी बी वी, शिवलर, गोसाईगंज पहुंची। बच्चों ने सभी अथितियों का तिलक लगाकर स्वागत किया। ए डी सी ए गवर्नर स्क्वाडर्न लीडर आभास सेजवेलकर ने माँ सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। बच्चों ने स्वागत गीत, वृक्षारोपण पर नृत्य नाटिका प्रस्तुत करके सबका मन मोह लिया। इसके बाद विद्यालय का शैक्षिक भ्रमण किया। विद्यालय में राजभवन से रैली में आये सभी अधिकारियों ने एवं विद्यालय की बालिकाओं ने एक एक पेड़ माँ के नाम लगाया। कार्यक्रम में राजभवन लखनऊ से सी एस ओ विशाल चौधरी, जमाल अहमद सिद्दीकी पी एस ओ गवर्नर, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रामप्रवेश, खंड विकास अधिकारी, गोसाईगंज राजेश बहादुर सिंह,खंड शिक्षा अधिकारी गोसाईगंज रामराज, ग्राम प्रधान शिवलर राजा रावत, खंड शिक्षा अधिकारी मोहनलागंज सुशील कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी जोन 2 धर्मेन्द्र सिंह कटियार, डी सी बालिका शिक्षा सविता शुक्ला विद्यालय की वार्डेन पूजा तिवारी, वन विभाग के अधिकारी, पुलिस विभाग, एवं ग्राम विकास अधिकारी रवि कांत पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

# ट्रंप का टैरिफ, पेनल्टी हमला और पाकिस्तान से तेल खरीदने की नसीहत– भारत को सटीक जवाब देने की जरूरत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिरकार भारत पर टैरिफ और पेनल्टी अर्थात जुर्माने का हमला कर ही दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप यह भूल गए कि भारतीयों ने उनके देश के विकास में कितनी अहम और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ट्रंप ने भारत पर सिर्फ 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की ही घोषणा नहीं की है बल्कि भारत की लॉन्ग टर्म ट्रेड प्रैक्टिस और वैश्विक नीति पर सवाल उठाने की कोशिश की है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत द्वारा रूस से हथियार और तेल खरीदने का जिक्र करते हुए भारत पर पेनल्टी के रूप में अतिरिक्त जुर्माना लगाने की भी घोषणा की है। भारत का ब्रिक्स संगठन का महत्वपूर्ण देश होना भी अमेरिका को खटक रहा है।

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश और भारतीयों के महत्व को किनारे करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने बुधवार को भारतीय सामानों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर बताया कि यह टैरिफ एक अगस्त से लागू होगा। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा घोषित 25 प्रतिशत टैरिफ पहले घोषित 10 प्रतिशत टैरिफ के अतिरिक्त होगा या उसी में समाहित होगा। क्योंकि ट्रंप ने इससे पहले 2 अप्रैल को भारत सहित कई देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी थी,जिसे पहले 90 दिनों तक और फिर बाद में एक अगस्त तक के लिए टाल दिया गया था। ट्रंप ने टैरिफ का यह ऐलान एकतरफा तरीके से करके अपने इरादों को जाहिर कर दिया है। जबकि टैरिफ और व्यापारिक रिश्तों पर भारत और अमेरिका के अधिकारी पिछले कई महीनों से चर्चा कर रहे हैं और छठे दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी दल के 25 अगस्त को भारत आने का कार्यक्रम पहले ही तय हो चुका है।

भारत सरकार ने ट्रंप के इस टैरिफ वॉर पर फिलहाल संतुलित प्रतिक्रिया ही दी है। भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को बयान जारी कर कहा, ₹सरकार ने द्विपक्षीय व्यापार के विषय पर अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान का संज्ञान लिया है। सरकार इसके संभावित प्रभावों का अध्ययन कर रही है। भारत और अमेरिका पिछले कुछ महीनों से एक निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। हम इस उद्देश्य के लिए प्रतिबद्ध हैं।' भारत के बयान में आगे कहा गया है, ₹सरकार भारत के किसानों, उद्यमियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSME) के कल्याण और हितों को सर्वोच्च महत्व देती है। राष्ट्रहित में सरकार सभी आवश्यक कदम उठाएगी, जैसा कि हाल ही में ब्रिटेन के साथ हुए समझौते (Comprehensive Economic and Trade Agreement) सहित अन्य व्यापार समझौतों में किया गया है।'

भारत की इस संतुलित प्रतिक्रिया को कूटनीतिक और वैश्विक रिश्तों के लिहाज से भले ही महत्वपूर्ण माना जा रहा हो लेकिन ट्रंप के रुख को देखते हुए भारत पर उसी भाषा में जवाब देने का दबाव भी बढ़ता ही जा रहा है। क्योंकि भारत पर टैरिफ और जुर्माना लगाने की घोषणा के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ मिलकर तेल के एक बड़े भंडार को विकसित करने की भी घोषणा कर दी है। इतना ही नहीं ट्रंप ने इशारों-इशारों में यह कहने की भी कोशिश की है कि आने वाले समय में भारत पाकिस्तान से तेल खरीद सकता है। वर्ष 2030 तक भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय व्यापार को 500 बिलियन डॉलर तक ले जाने के लिए हो रही बातचीत के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति के ये दोनों ऐलान काफी चौंकाने वाले हैं और उनके इरादों को स्पष्ट भी करते हैं। ट्रंप को यह बखूबी पता है कि व्यापारिक रिश्ते अपनी जगह है लेकिन भारत दुनिया के किसी भी अन्य देश को अपनी विदेश नीति तय करने का अधिकार नहीं दे सकता है।

भारत हर हाल में अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर चलने की कोशिश करेगा और अमेरिका किसी भी हालत में भारत को यह आदेश देने में कभी भी सक्षम नहीं हो पाएगा कि हम उसके आधार पर अपनी विदेश नीति तय करें। भारत में सरकारें बदलने के बावजूद विदेश नीति में एक प्रकार की निरंतरता ही रही है। भारत रूस जैसे भरोसेमंद देश के साथ अपनी दोस्ती अमेरिका जैसे देश के लिए तो कतई नहीं छोड़ सकता है। रूस की बजाय पाकिस्तान से तेल खरीदने की ट्रंप की नसीहत भी भारत के लिए सही नहीं है क्योंकि आतंकवाद फैलाने वाले देश पाकिस्तान पर तो भरोसा किया ही नहीं जा सकता। ऐसे में निश्चित तौर पर , भारत सरकार पर अमेरिका को उसी की भाषा में जवाब देने का दबाव बढ़ता जा रहा है। ध्यान देने वाली बात है कि, चीन सहित दुनिया के कई देशों ने डोनाल्ड ट्रंप को उन्हीं की भाषा में जब जवाब दिया तो उन्हें पीछे हटना पड़ा।

# अमेरिका के टैरिफ अटैक से प्रभावित होंगे भारतीय निर्यात, लेकिन लांग टर्म में कारोबारी हित रहेंगे अछूते!

**भारत सरकार के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि, 'द्विपक्षीय व्यापार पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने जो बयान दिया है सरकार उसके असर का स्टडी कर रही है। भारत और अमेरिका निष्पक्ष संतुलित परस्पर लाभप्रद व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे है।**

**कमलेश पांडे**

लीजिए, अंततोगत्वा अमेरिका ने भारत पर अपना टैरिफ बम फोड़ ही दिया। लेकिन अब भारत क्या जवाबी कार्रवाई करता है, इसपर दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। उल्लेखनीय है कि गत बुद्धवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारतीय चीजों पर 25% जवाबी टैरिफ लगाने का पुनः ऐलान किया। हालांकि, चतुराई पूर्वक ट्रंप ने भारत को 'दोस्त' बताते हुए निज सोशल मीडिया साइट 'सोशल ट्रूथ' पर किये गए अपने पोस्ट में लिखा है कि यह टैरिफ 1 अगस्त से लागू होगा।

वहीं, अभी तक यह भी साफ नहीं हुआ है कि ट्रंप का यह टैरिफ पहले से लागू 10% शुल्क के अतिरिक्त होगा या उसमें ही समाहित होगा। इसके अलावा, भारत की रूसी मित्रता के लिए जो अमेरिकी जुर्माना लगेगा, वह कितना होगा। बता दें कि ट्रंप ने इससे पहले गत 2 अप्रैल को भारत सहित कई देशों पर 10% टैरिफ लगाया था, जिसे पहले 90 दिनों तक और फिर बाद में 1 अगस्त तक टाल दिया था। वहीं, इस बार ट्रंप ने यह ऐलान भी किया कि भारत रूस से हथियार और तेल खरीद रहा है, इसलिए उस पर जुर्माना भी लगाएंगे। हालांकि यह जुर्माना कितना होगा, उन्होंने यह अभी साफ नहीं किया। बता दें कि ट्रंप ने टैरिफ का ऐलान ऐसे समय किया है, जब कारोबारी समझौते पर बातचीत के लिए अमेरिकी दल 25 अगस्त को भारत आने वाला है। इसलिए जानकार ट्रंप के इस ऐलान को भारत पर दबाव बनाने की रणनीति के रूप में देख रहे हैं। लेकिन भारत क्या अमेरिका के टैरिफ के समक्ष घुटने टेक देगा, यह यक्ष प्रश्न बना हुआ है।

ट्रंप के मुताबिक, भारत और अमेरिका दोस्त हैं, लेकिन उसके साथ बहुत कम ट्रेड हो रहा है, क्योंकि उसने बहुत ऊंचे टैरिफ लगा रखे है। भारत की गैर-आर्थिक कारोबारी बाधाएं दुनिया में सबसे कठोर है। यही नहीं, जब पूरी दुनिया रूस को यूक्रेन में नरसंहार रोकने के लिए कह रही थी, भारत ने तब भी उससे बड़ी मात्रा में हथियार और तेल खरीदा। इसके अलावा चीन के साथ वह सबसे बड़े खरीदार हैं। हालांकि, ट्रंप यह भूल गए कि भारत रूस से बार बार यह भी कहता रहा है कि यह युद्ध नहीं, बुद्ध का समय है।

इसलिए भारत पर थोपे गए इस अमेरिकी टैरिफ के खास मायने हैं, जिसे समझे जाने की जरूरत है। आपको पता होना चाहिए कि भारत से सबसे अधिक निर्यात अमेरिका को ही होता है। गत जून तक में यूएसए को 829.8 करोड़ डॉलर का निर्यात हुआ था। जबकि साल 2025 में करीब 91 नए टैरिफ दर से इस निर्यात पर बड़ा असर पड़ेगा। इससे भारत के ऑटोमोबाइल्स, टेक्सटाइल्स, लेदर, जेम्स ऐंड जूलरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, एग्रो फार्मा सेक्टरों की चीजें अमेरिका में महंगी होगी।

हालांकि, बांग्लादेश पर 35%, थाइलैंड पर 36%, कंबोडिया पर 36%, जैसे प्रतिद्वंद्वी देशों पर ज्यादा टैरिफ से कम आंच आएगी। वहीं, जहां तक शेयर बाजार में असर का सवाल है तो चुनौती वाले सेक्टरों से जुड़ी कंपनियों के शेयरों पर असर दिख सकता है। हालांकि इस जवाबी टैरिफ की आशंका पहले से थी। इसलिए कुछ उतार-चढ़ाव के बाद यह स्टेबल हो सकता है, क्योंकि भारतीय इकॉनमी मजबूत स्थिति में है।

इसलिए, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि, 'द्विपक्षीय व्यापार पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने जो बयान दिया है सरकार उसके असर का स्टडी कर रही है। भारत और अमेरिका निष्पक्ष संतुलित परस्पर लाभप्रद व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे है। सरकार राष्ट्रीय हितो की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगी।₹ वहीं, जानकारों का मानना है कि ट्रंप के ऐलान के बाद भी टैरिफ घटने का चांस है, क्योंकि साल 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 बिलियन डॉलर तक ले जाने के लिए दोनों देशों के बीच बातचीत हो रही है। हालांकि, इस बातचीत के बीच में ही अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत पर 25% रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का जो ऐलान किया है, उससे निर्यात पर काफी बड़ा असर पड़ेगा। इसलिए उद्योग संगठनों ने यह चिंता जताई है।

उल्लेखनीय है कि व्यापार समझौते पर बातचीत के छठे दौर के लिए अमेरिकी अधिकारियों का दल 25 अगस्त को भारत आने वाला है। जबकि कॉमर्स मिनिस्ट्री के एक अधिकारी ने कहा, 'ट्रंप ने जो कुछ कहा है, उसमें पेनाल्टी सहित कुछ चीजें साफ नहीं है। इसलिए द्विपक्षीय समझौते पर बातचीत जारी रहेगी। इस बीच मिनी ट्रेड डील का प्रयास भी हो रहा है। यह डील होने पर इसकी शर्तों के मुताबिक टैरिफ लगेगा। इसकी संभावना बनी हुई है।' वहीं, निर्यातकों के संगठन एफआईईओ (FIEO) के डायरेक्टर जनरल डॉ.अजय सहाय ने कहा है कि, "ट्रंप के कदम से अनिश्चितता बढ़ गई है। कितनी पेनाल्टी लगेगी, यह साफ होने तक भारतीय निर्यातक और अमेरिकी आयातक न तो लैंडेड कॉस्ट का अंदाजा लगा पाएंगे, न ही यह आकलन कर पाएंगे कि टैरिफ के बोझ से किस तरह निपटा जाएगा। इस अनिश्चितता से सप्लई चेन प्लानिंग और प्राइसिंग की रणनीति प्रभावित होगी।₹

वहीं, फिक्की (FICCI) के प्रेसिडेंट हर्षवर्द्धन अग्रवाल ने ट्रंप के बयान पर निराशा जताते हुए कहा है कि, "इस दुर्भाग्यपूर्ण कदम का हमारे एक्सपोर्ट्स पर साफ तौर पर असर पड़ेगा। उम्मीद है कि ज्यादा टैरिफ का दौर छोटा ही रहेगा और दोनों पक्षों के बीच एक स्थायी व्यापार समझौता जल्द हो जाएगा।" वहीं, पीएचडीसीसीआई (PHDCCI) के प्रेसिडेंट हेमंत जैन ने कहा है कि, "समय आ गया है कि इंडियन इंडस्ट्री क्वॉलिटी और कॉम्पिटीटिवनेस के साथ खड़ी हो। चीन और वियतनाम पर इसी तरह के टैरिफ लगने के साथ भारत को लॉन्ग टर्म ट्रस्ट, विविधता से भरे मार्केट शेयर और भरोसेमंद ग्लोबल पार्टनर के रूप में मजबूत पोजिशनिंग से फायदा होगा।"

सवाल है कि आखिर अमेरिकी टैरिफ का किस तरह का असर दिखेगा? तो जवाब होगा कि रत्न एवं आभूषण, इलेक्ट्रिकल मशीनरी, कपड़ा और दवा उद्योगों का मामला ज्यादा अहम है। क्योंकि अमेरिका को कुल निर्यात में इनका हिस्सा 40% से ज्यादा है। वर्ष 2024 में भारत से 21.5 बिलियन डॉलर की इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल मशीनरी, 12.7 बिलियन डॉलर की दवाएं,12 बिलियन डॉलर से ज्यादा के रत्न-आभूषण और 8 बिलियन डॉलर के रेडीमेड गारमेंट्स सहित टेक्सटाइल्स अमेरिका भेजे गए। हालांकि भारत अकेला नहीं है जिस पर नया रेसिप्रोकल यानी जवाबी टैरिफ ठोका गया है, बल्कि लगभग 90 देशों पर अमेरिका ने जवाबी टैरिफ लगाया है। इसमें बांग्लादेश पर 35%, थाईलैंड पर 36%, कंबोडिया पर 36% और इंडोनेशिया पर 32% का टैरिफ लगाया गया है। इसलिए भारत के लिए सब्र की बात यह है कि उसके जैसे अन्य मुख्य कारोबारी प्रतिद्वंद्वी देशों पर ज्यादा टैरिफ लगा हुआ है, जिसको देखते हुए तुलनात्मक रूप से भारत पर कुछ मामलों में कम आंच आएगी। इससे कुछ रणनीतिक बातें भी अब साफ होने में मदद मिलेगी। ऐसा इसलिए कि वैश्विक दुनियादारी में यह आम अवधारणा है कि ऐसा कोई सगा नहीं, जिसको अमेरिका ने ठगा नहीं। इसके अलावा, अमेरिका से दोस्ती को खल से प्रीति करार दिया जाता है। तभी तो कभी चीन के खिलाफ भारत को अपना मजबूत हिन्द महासागर सहयोगी बताने वाला अमेरिका अब भारत के पीछे हाथ धोकर पड़ा है। कभी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना दोस्त बताने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब दुश्मनी के हर कोने को खंगाल लेना चाहते हैं, ताकि वैश्विक आर्थिक और सैन्य रेस में तेजी से फर्राटे भर रहे भारत को पछाड़ा जा सके।

## अजब-गजब

# लड़के की दिल्लगी पर पिघल गई लड़की, 42 बार प्रपोज को किया इंकार, फिर कही ये बात

हर एक लड़की का यही सपना होता है कि उसे प्यार करने वाला शख्स उसे खास तरीके से प्रपोज करे, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि लड़के इसको लेकर सब्र नहीं रख पाते हैं और जल्दबाजी में प्रपोज करने की गलती कर बैठते हैं। ऐसे केस में लड़के सब्र नहीं रख पाते हैं और अंत में वही होता है, जिसका उम्मीद कोई नहीं करता है। अक्सर ऐसा इसलिए होता है कि लड़कियां अपने फैसले बहुत सोच-समझकर लेती हैं, इसलिए उन्हें वक्त चाहिए होता। अब ऐसे में जिन्हें रुकना होता है, वो रुकता है और जिसे सब्र नहीं होता वो निकल लेता है।

हालांकि एक सच्चे प्यार की परीक्षा उसी समय देखने को मिलती है और इसी तरह की एक सच्ची और दिल को छू लेने वाली कहानी सामने आई है। मामला यूके का है, जहां एक ल्यूक विंट्रिप नाम के एक युवक ने अपनी गर्लफ्रेंड सारा को शादी के लिए पूरे 42 बार प्रपोज़ किया, लेकिन हर बार उसकी प्रेमिका ने उसे रिजेक्ट किया। लेकिन 43वीं बार कुछ ऐसा हुआ, जिसकी उम्मीद किसी उसने कभी सपने में भी नहीं की थी। ल्यूक पेशे से टैटू आर्टिस्ट हैं, जबकि सारा एक मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव हैं।

द सन की रिपोर्ट के मुताबिक ये दोनों पिछले पिछले 7 सालों से साथ हैं और ल्यूक ने पहली बार सिर्फ 6 महीने की रिलेशनशिप के बाद ही उसे शादी के लिए प्रपोज कर दिया, लेकिन सारा ने उस वक्त मना कर दिया और उसके बाद बंदे ने हार नहीं मानी। अपने इस फैसले को लेकर सारा ने बताया कि वह ल्यूक से जरूर प्यार करती थीं, लेकिन जल्दबाज़ी नहीं चाहती थीं। ऐसा इसलिए क्योंकि मैं एक पुराने रिश्ते से बाहर आई थी और उसे दोबारा प्यार के चक्कर में नहीं फंसना था।

हालांकि ल्यूक ने धैर्य से काम लिया और सात सालों में 42 बार उसे प्रपोज कर दिया। इसके बाद जब उसने 43वीं बार उसे प्रपोज किया तो सारा ने उसके प्यार को समझा और हां कह दिया। इस कपल की अनोखी लव स्टोरी जब सोशल मीडिया पर आई, तो लोगों ने ल्यूक के प्यार और सब्र की मिसाल दी। कई लोग बोल रहे हैं कि उन्हें गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड मिलना चाहिए। इस कहानी से एक बात तो साफ है—सच्चे प्यार और हिम्मत के आगे जिंदगी की बड़ी-बड़ी मुश्किलें भी हार जाती हैं। जो दिल से प्यार करता है, वो बार-बार कोशिश करने से बिल्कुल नहीं घबराता!

## ब्लॉग

# अमेरिकी दबाव के आगे नहीं झुक कर मोदी ने ट्रंप का झूठ उजागर किया और रूस से दोस्ती का मान भी रखा

**नीरज कुमार दुबे**

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25% टैरिफ लगाकर न केवल द्विपक्षीय संबंधों में खटास पैदा की है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को "dead economy" कह कर अमेरिकी राष्ट्रपति पद की गरिमा को भी ठेस पहुंचाई है। यह बयान स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि ट्रंप व्यापार और भू-राजनीतिक मुद्दों को दबाव की राजनीति के हथियार के रूप में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन भारत का रुख इस बार बिल्कुल अलग रहा– उसने न केवल व्यापार समझौते को लेकर अमेरिकी शर्तों के आगे झुकने से इंकार कर दिया, बल्कि रूस से संबंधों को लेकर अमेरिकी दबाव को भी ठुकरा दिया। इससे ट्रंप का यह दावा भी कमजोर हो गया कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर केवल अमेरिकी दबाव और संभावित व्यापार समझौते के लालच में रोका था।

भारत के इस रुख के पीछे कई ठोस कारण हैं। दरअसल रूस भारत का दशकों पुराना रणनीतिक साझेदार है, जिसने परमाणु ऊर्जा, रक्षा और ऊर्जा सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भारत को लगातार सहयोग दिया है। आज भी भारत के 60% से अधिक रक्षा उपकरण रूसी मूल के हैं और सस्ते रूसी तेल ने भारत को वैश्विक ऊर्जा संकट के समय राहत दी है। अमेरिका की पैनल्टी झेलने और राष्ट्रपति की नाराजगी का जोखिम उठाकर भी भारत रूस के साथ संबंध बचाने को तैयार है, क्योंकि यह भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का मूलभूत हिस्सा है।

देखा जाये तो वैश्विक राजनीति पर इसका बड़ा असर पड़ेगा क्योंकि भारत का यह संदेश स्पष्ट है कि वह किसी भी महाशक्ति के दबाव में अपनी विदेश नीति नहीं बदलेगा। इस कदम से न केवल भारत की कूटनीतिक साख बढ़ी है, बल्कि दुनिया के अन्य मध्यम और छोटे देशों को भी यह विश्वास मिला है कि बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में दबाव की राजनीति को चुनौती दी जा सकती है। दूसरी ओर, अमेरिका के लिए यह स्थिति असहज है। भारत उसके लिए Indo-Pacific रणनीति का प्रमुख साझेदार है और ट्रंप की बयानबाजी व टैरिफ की नीति इस भरोसे को कमजोर कर सकती है। यदि अमेरिका भारत जैसे लोकतांत्रिक साझेदार को अपमानित करता है, तो वह चीन और रूस के खिलाफ बने गठबंधनों में अपनी स्थिति कमजोर कर लेगा। ट्रंप की यह टिप्पणी उनके उस लंबे इतिहास से मेल खाती है जिसमें वे अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को केवल व्यापार और अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के नजरिए से देखते हैं। भारत के टैरिफ और रूस के साथ उसके संबंधों पर सवाल उठाना एक अलग विषय है, लेकिन इन मुद्दों को हल करने का रास्ता अपमानजनक भाषा नहीं, बल्कि परिपक्व वार्ता है। भारत सरकार ने सही कहा है कि वह राष्ट्रीय हित से समझौता नहीं करेगी।

भारत ने यह दिखा दिया है कि वह वैश्विक शक्ति-संतुलन में किसी का मोहरा नहीं बनेगा। रूस के साथ संबंध बचाने के लिए अमेरिकी दबाव को ठुकराना केवल कूटनीतिक कदम नहीं, बल्कि यह संदेश है कि भारत अपने दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा– चाहे कीमत कुछ भी हो। ट्रंप की ओर से टैरिफ लगाये जाने की चेतावनियों के बावजूद भारत ने न तो रूस से ऊर्जा खरीद कम की है और न ही रक्षा सहयोग में कोई कटौती की है। यह रुख बताता है कि भारत अपनी विदेश नीति में रणनीतिक स्वायत्तता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। ट्रंप का अतिरिक्त शुल्क भारत को रूस से दूर करने की कोशिश है। लेकिन यह रणनीति अब तक विफल रही है। दरअसल अमेरिका यह दिखाना चाहता है कि जो देश रूस के साथ व्यापार करेंगे, उन्हें दंडात्मक कार्रवाई झेलनी पड़ेगी। यह संदेश चीन जैसे देशों के लिए भी है, जो रूसी तेल के बड़े खरीददार हैं। भारत का रूस के साथ संबंध मजबूत रखना अमेरिका के लिए चिंता का विषय है इसलिए वह चाहता है कि भारत Quad में मजबूत हो मगर Indo-Pacific रणनीति के तहत रूस से दूरी बनाए।

मगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह साफ कर दिया है कि भारत किसी के दबाव में अपने रणनीतिक निर्णय नहीं बदलेगा। अमेरिका के साथ व्यापार समझौता नहीं हो पाने का बड़ा कारण यही है कि भारत ने कृषि, डेयरी और टैरिफ में अपनी शर्तों से समझौता करने से इंकार कर दिया है। साथ ही भारत ने दिखा दिया है कि रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा संबंध केवल आर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक महत्व रखते हैं। देखा जाये तो अमेरिका के आगे नहीं झुक कर भारत की वैश्विक स्थिति तेजी से मजबूत हो रही है। अमेरिका की पेनल्टी के बावजूद भारत पर दबाव काम नहीं कर रहा, जो यह दिखाता है कि भारत अब वैश्विक मंच पर एक स्वतंत्र शक्ति है।

साथ ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप के दबाव और अपमानजनक बयानों के आगे न झुककर विश्व राजनीति को एक स्पष्ट और मजबूत संदेश दिया है– भारत अब किसी का जूनियर पार्टनर नहीं है, बल्कि वैश्विक मंच पर एक आत्मनिर्भर और आत्मसम्मानी शक्ति है। मोदी सरकार ने साफ शब्दों में कहा है कि वह राष्ट्रीय हित से समझौता नहीं करेगी और किसी भी व्यापारिक समझौते में किसानों, उद्यमियों और MSMEs के हित सर्वोपरि रहेंगे। यह रुख बताता है कि भारत अब केवल आर्थिक या कूटनीतिक दबावों के आधार पर निर्णय नहीं लेता।

यह कदम केवल अमेरिका को नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को यह संदेश देता है कि भारत अपनी शर्तों पर साझेदारी करता है। चाहे ऊर्जा सुरक्षा के लिए रूस के साथ संबंध हों या पश्चिमी देशों के साथ व्यापार समझौते– भारत संतुलन बनाए रखने में सक्षम है और दबाव के आगे झुकने वाला देश नहीं है। इसका सबसे बड़ा महत्व यह है कि भारत ने यह दिखा दिया है कि वैश्विक शक्ति संतुलन में उसका स्थान स्थायी और स्वतंत्र है। अमेरिका, चीन, रूस या कोई अन्य महाशक्ति अब भारत को केवल एक ₹निर्भर सहयोगी₹ की तरह नहीं देख सकती। यह आत्मविश्वास भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत, सामरिक क्षमताओं और वैश्विक कूटनीतिक साख का प्रमाण है।

जहां तक यह सवाल है कि भारत-रूस संबंधों पर क्यों खफा हैं ट्रंप? तो आपको बता दें कि यूक्रेन युद्ध से पहले भारत का रूस से तेल आयात कुल आयात का 2% से भी कम था, जो जून 2024 तक 40% से अधिक हो गया है। इसके अलावा, रूस भारत का सबसे बड़ा रक्षा आपूर्तिकर्ता है और कम कीमत, लचीली शर्तों व संवेदनशील तकनीक उपलब्ध कराने के कारण यह संबंध भारत के लिए रणनीतिक हैं। साथ ही रूस लंबे समय से भारत का परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में साझेदार रहा है। इन संबंधों ने अमेरिका को असहज कर दिया है, खासकर तब जब पश्चिमी देश रूस को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने की कोशिश कर रहे हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि ट्रंप ने टैरिफ को लेकर भारत पर जिस तरह हमला बोला है उससे उनका ही पुराना दावा कमजोर पड़ गया है। हम आपको बता दें कि ट्रंप लगातार यह कह रहे हैं कि 10 मई को मोदी सरकार ने उनके दबाव में पाकिस्तान के खिलाफ "ऑपरेशन सिंदूर" को रोक दिया था, क्योंकि उन्होंने धमकी दी थी कि यदि भारत ने कार्रवाई नहीं रोकी तो अमेरिका भारत के साथ व्यापार बंद कर देगा। लेकिन भारत पर टैरिफ लगा कर ट्रंप ने अप्रत्यक्ष रूप से अपने दावे का सच उजागर कर दिया है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में स्पष्ट रूप से कहा था कि भारत पर किसी वैश्विक नेता ने हमले रोकने का दबाव नहीं डाला था। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान के हवाई ठिकानों पर भारतीय वायुसेना की भीषण बमबारी ने इस्लामाबाद को 10 मई को शांति के लिए मजबूर किया था। इससे पहले भी भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि व्यापार समझौते या टैरिफ का पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने से कोई संबंध नहीं था। भारत ने यह भी बार-बार कहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यापार को जोड़ना अनुचित है। जहां तक यह सवाल है कि अमेरिका के साथ समझौते को लेकर भारत क्यों नहीं झुका? तो आपको बता दें कि अमेरिका ने पिछले कुछ महीनों में यूरोपीय संघ, जापान, ब्रिटेन और वियतनाम को अमेरिकी वस्तुओं के लिए अपने बाजार खोलने पर मजबूर किया, जिसके बदले टैरिफ कम किए गए। लेकिन भारत इस समझौते के लिए तैयार नहीं हुआ। इसके पीछे कई कारण थे। दरअसल भारत अमेरिकी मांगों के अनुरूप कृषि और डेयरी उत्पादों में रियायत देने को तैयार नहीं था। इसके अलावा, भारत चाहता है कि अमेरिका कपड़ा, चमड़ा, फुटवियर और ऑटो पार्ट्स पर पर्याप्त टैरिफ कटौती करे, लेकिन अमेरिका इसके लिए तैयार नहीं था। साथ ही भारत ने अमेरिकी LNG, उर्वरक और रक्षा उपकरण की अधिक खरीदारी के लिए संकेत दिए, लेकिन अमेरिकी मांगें लगातार बढ़ती गईं। इसलिए मोदी सरकार का स्पष्ट रुख था कि वह किसी भी "औसत दर्जे के समझौते" के लिए तैयार नहीं होगी।

हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका चाहता है कि भारत अमेरिकी वस्तुओं के लिए अपने बाजार खोले और रूस से रक्षा व ऊर्जा खरीद में कटौती करे। लेकिन भारत अपने राष्ट्रीय हित और बाजार क्षमता का इस्तेमाल कर अमेरिका को झुकाने की कोशिश कर रहा है। यह टकराव दीर्घकालिक व्यापार युद्ध का रूप भी ले सकता है, जिससे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण हो सकते हैं। भारत को अब अपनी निर्यात रणनीति और विकल्प बाजारों को मजबूत करना होगा।

वैसे ऐसा नहीं है कि अमेरिका सिर्फ भारत को ही धमकी दे रहा है। अमेरिका ने चीन के प्रति भी आंखें लाल कर रखी हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि उन्होंने चीनी अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी है कि प्रतिबंधित रूसी तेल की निरंतर खरीदारी चीन के लिए भारी टैरिफ का कारण बन सकती है। यह बयान स्टॉकहोम में दो दिन की व्यापार वार्ताओं के समापन पर आया। बेसेंट ने स्पष्ट किया कि अमेरिकी कांग्रेस में प्रस्तावित विधेयक के तहत रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर 500% तक टैरिफ लगाया जा सकता है और अमेरिका अपने सहयोगी देशों को भी इसी दिशा में कदम उठाने के लिए प्रेरित करेगा। लेकिन चीन ने संकेत दिया है कि वह अमेरिकी दबाव में अपनी ऊर्जा आपूर्ति संबंधी नीतियों में बदलाव नहीं करेगा। देखा जाये तो अमेरिका की यह चेतावनी न केवल चीन पर आर्थिक दबाव बढ़ाने की रणनीति है, बल्कि यह रूस-चीन संबंधों को कमजोर करने का प्रयास भी है। लेकिन चीन का स्पष्ट रुख यह संकेत देता है कि वह अमेरिकी दबाव में झुकने के लिए तैयार नहीं है। हालांकि यह भी सत्य है कि यदि अमेरिकी कांग्रेस 500% टैरिफ का कानून पास कर देती है तो वैश्विक व्यापार समीकरणों पर बड़ा असर पड़ेगा। यह टकराव यूरोप, एशिया और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में नई अस्थिरता ला सकता है। बहरहाल, भारत-रूस संबंधों पर सवाल उठा रहे ट्रंप को पता होना चाहिए कि रूस भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा का महत्वपूर्ण स्रोत है। इसके अलावा, रूस दशकों से भारत का प्रमुख हथियार आपूर्तिकर्ता रहा है।

# जामा मस्जिद कमेटी के सदर की हुई रिहाई, जुलूस के साथ संभल पहुंचे, बोले- जनता चाहेगी तो लड़ूंगा चुनाव

आर्यावर्त संवाददाता

**संभल।** जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल में गिरफ्तार किए गए जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट की शुक्रवार को रिहाई हो गई है। वह जेल से जब संभल पहुंचे तो लोगों ने जोरदार स्वागत किया। आतिशबाजी की गई और फूल मालाएं डालीं। सदर कार में खड़े होकर लोगों को हाथ हिलाते आगे बढ़े। सदर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि जिस बयान में वह जेल गए हैं। वह बयान तो अब खत्म हो गया। अदालत की लड़ाई अब अदालत में देखी जाएगी।

जामा मस्जिद कमेटी सदर 23 मार्च से जेल में बंद थे। उन पर बवाल की साजिश रचने और गंभीर अपराध में झूठे बयान देने समेत कई गंभीर आरोप हैं। चार्जशीट में इसका उल्लेख किया गया है। सदर की जमानत सेशन कोर्ट से खारिज हो गई थी। इसके बाद परिजन हाईकोर्ट पहुंचे थे। जहां से 24 जुलाई को जमानत मिल गई थी, लेकिन चार्जशीट दाखिल होने के दौरान पुलिस ने विवेचना कर बीएनएस की धारा 353(2), 61(2)(a) बढ़ाई थीं। इसके चलते उनकी जमानत के लिए बुधवार को एमपी/एमएलए कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था। जहां जमानत खारिज कर दी थी। इसके बाद एमपी/एमएलए कोर्ट सत्र न्यायालय में बृहस्पतिवार को सुनवाई हुई थी। जहां से जमानत मिल थी। अब उनकी रिहाई हो गई है।

### जनता चाहेगी तो विधानसभा चुनाव भी लड़ूंगा

जेल से रिहा होकर घर पहुंचे जामा मस्जिद कमेटी सदर जफर अली एडवोकेट ने एक सवाल के जवाब में कहा कि अगर जनता चाहेगी तो वह चुनाव लड़ेंगे। आगे कहा कि कोई भी लड़ाई लड़ने के लिए पावर होना जरूरी है। यदि मेरे हाथ में पावर होती तो मैं जेल नहीं जाता। इसलिए चुनाव का फैसला जनता को करना है।

# मैनपुरी में भीषण हादसा, एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत, जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे थे कार सवार

आर्यावर्त संवाददाता

**मैनपुरी।** मैनपुरी जिले के बेवर थाना क्षेत्र के जीटी रोड हाईवे पर ग्राम नगला ताल के पास एक भीषण सड़क हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक बच्ची घायल है। जीटी रोड हाईवे पर आवागमन करीब एक घंटे तक बंद रहा।

बेवर की ओर से छिबरामऊ जा रही एक स्विफ्ट डिजायर कार अचानक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर पार करते हुए कानपुर-आगरा लेन में पहुंच गई। इस लेन पर नवीगंज से आ रहे एक ट्रक से कार बुरी तरह टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दीपक (36), उनकी पत्नी पूजा (34), बेटियां आशी (9), आर्या (4) और बहन सुजाता (50) शामिल हैं।

दीपक का परिवार मैनपुरी के ही किशनी थाना क्षेत्र के गांव हरीपुर कैथोली गांव का रहने वाला है। दीपक व उनका परिवार आगरा में भतीजी काव्या चौहान का जन्मदिन मनाकर लौट रहा था। इस दुर्घटना में दीपक की 11 वर्षीय बेटी आराध्या गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेवर ले जाया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

### दूसरी दुर्घटना में एक और व्यक्ति घायल

इस दुर्घटना के ठीक 5 मिनट बाद उसी जगह के पास एक पिकअप वैन पीछे से डीसीएम में घुस गई। इस हादसे में पिकअप का चालक एहसान गाड़ी में फंस गया। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से उसे बाहर निकाला गया और इलाज के लिए सीएचसी बेवर में भर्ती कराया गया। एहसान अपने भाई यशपाल के साथ बिहार जा रहा था।

# राष्ट्रीय कार्यकर्ता सम्मेलन में होगा ठोस सकल्प : सुमन्त गुप्ता

आर्यावर्त संवाददाता

**जौनपुर।** सनातन धर्म की सांस्कृतिक राजधानी काशी (बनारस) में श्रवण मास के अवसर पर अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद द्वारा ५ अगस्त को राष्ट्रीय कार्यकर्ता प्रतिनिधि सम्मेलन श्री काव्यकुंज धर्मशाला नाटी इमली में आहुत की गई है। इस सम्मेलन में पूरे देश के वैश्य समाज के प्रतिनिधिगण भाग लेगे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि म रवीन्द्र जायसवाल स्टाम्प न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन विभाग उ०प्र० होंगे व ६ अगस्त को द्वितीय वर्षगांठ पर भगवान विश्वनाथ के पावन धाम काशी में सामूहिक रूप से जलाभिषेक का कार्यक्रम मा० रवीन्द्र जायसवाल, मत्री उ०प्र० सरकार के नेतृत्व में किया जाएगा। आज यहां पत्रकारों से बात करते हुए वेश्य एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा0 सुमन्त गुप्ता ने बताया कि इस सम्मेलन में राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक क्षेत्र से सम्बंधित प्रस्ताव भी पारित किए जायेगे। देश में वैश्य समाज की आबादी २० प्रतिशत है लेकिन राजनैतिक हिस्सेदारी नगणय है वैश्य समाज को राजनैतिक हिस्सेदारी से सभी राजनैतिक पाट्रीयों द्वारा निंतर उपेक्षित किया जा रहा है। ज्ञातव्य हो वैश्य समाज भारतीय जनता पार्टी का स्थायी व परम्परागत वोट है वोट बैंक के हिसाब से लोक सभा एवं विधानसभा व विधान परिषद में पर्याप्त हिस्सेदारी नहीं मिल पा रही है। यहीं अवगत कराना अति आवश्यक है कि वैश्य व्यापारी समाज राष्ट्र के विकास में अभूतपूर्व योगदान है तथा राजस्व देने में अग्रणी भूमिका व रोजगार के साधन मुहैया कराने में भी सबसे आगे है, इसके साथ ही सामाजिक धार्मिक क्षेत्रों में इसके सशक्त हस्ताक्षर है। धार्मिक दृष्टि से वो अपने को आर.एस.एस. के निकट मानता है। कस्बो नगर महानगरी में महौल बनाने में भी सबसे आगे है।इस सम्मेलन में सामाजिक, राजनैतिक, व आर्थिक प्रस्ताव पारित करने का निर्णय लिया गया है।

# अल्जीरिया में हुई बेटे की मौत, सदमे में शव का इंतजार कर रहे पिता की भी गई जान, परिवार में मातम

आर्यावर्त संवाददाता

**कानपुर।** उत्तर प्रदेश के कानपुर में भीतरगांव ब्लॉक के बारी गांव में एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव के बेटे अनादि मिश्रा की अल्जीरिया के अन्नाबा शहर में फैक्ट्री में ब्लास्ट में जान चली गई। उनकी उम्र 43 साल थी। वो अन्नाबा में एक स्पंज आयरन कंपनी में ऑपरेटर के रूप में काम करते थे। मौत के 12 दिन बीत जाने के बाद भी उनका शव गांव नहीं पहुंच सका। शव के आने में हो रही देरी से पूरा परिवार परेशान था। बुधवार को पार्थिव शरीर का इंतजार कर रहे बुजुर्ग पिता राजेंद्र मिश्रा (68) की सदमे में मौत हो गई। बेटे की मौत के बाद पिता की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

अनादि मिश्रा ने 18 जून को अल्जीरिया की स्पंज आयरन कंपनी में ऑपरेटर के रूप में काम शुरू किया था। मात्र एक महीने बाद ही 17 जुलाई को कारखाने में हुए भीषण ब्लास्ट में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में इलाज के दौरान अगले दिन 18 जुलाई को उन्होंने दम तोड़ दिया। परिवार को जैसे ही यह खबर मिली, हर कोई सदमे में डूब गया। अनादि के छोटे भाई अर्पित मिश्रा ने बताया कि उनके पिता राजेंद्र मिश्रा पहले से ही कैंसर से जूझ रहे थे। बेटे की मौत की खबर ने उन्हें पूरी तरह तोड़ दिया। उन्होंने खाना-पीना छोड़ दिया और हर पल बेटे के शव के आने का इंतजार करते रहे।

### 12 दिन बाद भी नहीं आया शव

12 दिन बीत जाने के बावजूद अनादि का शव भारत नहीं लाया जा सका। इस इंतजार ने परिवार की उम्मीदों को धीरे-धीरे तोड़ दिया। बुधवार को राजेंद्र मिश्रा का भी देहांत हो गया। परिवार के लिए यह दोहरा दुख असहनीय हो गया। घर में अब अनादि की मां कांती मिश्रा, भाभी सुनीता, बहनें पूनम, प्रीती, स्वाती और भतीजे विभू व रिभू बचे हैं। पूरा परिवार गम में डूबा है। गांव में भी इस घटना से शोक की लहर है।

### प्रशासन की तरफ से कोई जवाब नहीं

अर्पित ने बताया कि प्रशासन और कंपनी से शव लाने के लिए बार-बार संपर्क किया जा रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस जवाब नहीं मिला। परिवार अब बस यही चाहता है कि अनादि का शव जल्द से जल्द गांव पहुंचे, ताकि उनकी अंतिम विदाई सम्मान के साथ हो सके। इस दुखद घटना ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है।

# वृद्ध की लाश पुलिस ने रोका, हत्या का आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

**जौनपुर।** जिले के मड़ियाहूं थाना क्षेत्र के औरइला पिपरा गांव में पारिवारिक कलह के चलते वृद्ध नमकीन व्यवसायी ने आम के पेड़ में घर से 200 मीटर दूर फांसी लगाकर बीती रात आत्महत्या कर लिया। घटना की जानकारी सुबह होने पर परिजन वृद्ध के शव को पेड़ से उतारकर घर ले आए और दाह संस्कार के लिए रामघाट जौनपुर ले जा रहे थे कि वृद्ध के एक पुत्र ने शहर मुंबई से कोतवाली पुलिस को भाई द्वारा हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए सूचना दिया सक्रिय हुई पुलिस ने दाह संस्कार के लिए जा रही शव को रास्ते से रोक़कर थाने ले आई और पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जाता है कि पिपरा गांव निवासी 65 वर्षीय बाबूराम चौहान नमकीन बनाने का कारोबारी है उसके चार पुत्र राजेश, दिनेश, किशन, लक्ष्मण चौहान है। पिता बाबू राम किशन और दिनेश के साथ रहते है जबकि माता राजेश लक्ष्मण के साथ रहती है सभी मुम्बई में रहते हुए अलग अलग है। कुछ दिन पहले राजेघर आया था। गुरूवार को जमीन को बटवारे को लेकर पिता और माता से चार विस्वा जमीन की मांग किया। जिसको लेकर घर में कहासुनी हो गयी। बताया जाता है कि माता शीला देवी राजेश को जमीन देना चाहती थी जबकि पिता नहीं देना चाहता था। जिसको लेकर पति-पत्नी में काफी विवाद हो गया। शाम को सभी खाना पीना खाकर घर के अंदर सो गए। रात में कब बाबूराम उठकर घर से 200 मीटर दूर जाकर अपने ही आम के पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। सुबह जब लोग उधर गए तो घटना की जानकारी हुई और परिजनों को सूचना दिया परिजन घटनास्थल पर पहुंचकर शव को फांसी से नीचे उतरा और शुक्रवार की सुबह दाह संस्कार के लिए जौनपुर स्थित रामघाट ले जा रहे थे कि आरोप है कि शहर मुंबई से रामबाबू का तीसरे नंबर का बेटा किशन चौहान पुलिस को सूचना दिया।

# 'मम्मी की तीन सहेलियां हमें...', विधवा हुई तो बॉयफ्रेंड के साथ भागी, बेटे ने रो-रोकर सुनाई मां की गंदी करतूत, खोला ये राज

आर्यावर्त संवाददाता

**सहारनपुर।** सर, हमे बचा लो। पापा रहे नहीं हमारे और मम्मी किसी और के साथ भाग गई हैं। उनकी तीन सहेलियां हमें... बस इतना कहते ही 17 साल का मनीष वर्मा फूट-फूटकर रोने लगा। किशोर को रोता देख पुलिस वालों ने उसे चुप करवाया। फिर पूरा मसला पूछा। मनीष ने तब अपनी विधवा मां की वो कहानी बतानी शुरू की, जिसे सुन पुलिस वाले भी सन्न रह गए। मामला उत्तर प्रदेश के सहारनपुर का है।

मनीष ने बताया- मैं और मेरा भाई गंगोह गांव में रहते हैं। पापा की बीमारी से मौत हो चुकी है। मेरी मां का पिछले दो सालों से मुजफ्फरनगर के रहने वाले युवक अनुज भाटी से शुरू हुआ। मेरी मां की उम्र 42 साल है। वो हम दोनों को अकेला छोड़कर अपने बॉयफ्रेंड के साथ भाग गई हैं। जाते वक्त वो घर में रखे सारे जेवरात और करीब साढ़े तीन लाख रुपये नकदी भी ले गई। हमारा तो सब कुछ लुट गया। हमारे को खाने के भी लाले पड़ गए हैं। बेटे ने आगे बताया- मां का बॉयफ्रेंड और उसकी तीन सहेलियां अब मुझे और मेरे भाई को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। उसने बताया- कुछ रोज पहले हमारी मां रिहाना शहजादी और नूरजहां नाम की महिलाओं के साथ पंजाब गई थीं। फिर वो लौटी ही नहीं। हमें पता चला कि वो तो अपने प्रेमी संग भाग गई हैं। मनीष का कहना है की जब उसने रिहाना शहजादी और नूरजहां से अपनी मां के बारे में पूछा तो उन्होंने हम दोनों भाइयों को जान से मारने और झूठे मुकदमे में फसाने की धमकी दी। उनकी धमकियों के चलते हम दोनों काफी डरे हुए हैं। बेटे मनीष ने बताया- रेहाना, नूरजहां और शहजादी ने धमकी दी है कि अगर हमने पुलिस में रिपोर्ट दी तो वो मुझे झूठे केस में फंसा देंगे या जान से मार देंगे। दरअसल, अब मां का प्रेमी, पिता की जमीन और बाकी सामान भी हड़पना चाहता है। इसलिए वो हमें धमकी दे रहे हैं।

दोनों बच्चों की विधवा मां 25 जुलाई से लापता है। पीड़ित बेटे ने मांग की है कि उसकी मां और उसके सहयोगियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि उन्हें न्याय मिल सके। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। लड़के ने थाने में आवेदन देकर कहा है कि मैं चाहता हूं इनके ऊपर कार्रवाई हो जिन्होंने ऐसा करवाया है।

### वारदात से पहले बदमाशों को दबोचा गया

**जौनपुर।** जिला चिकित्सालय उमानाथ सिंह में शुक्रवार दोपहर उस समय अंजाम देने से पहले वारदात टल गई, जब दवा वितरण कक्ष पर चीफ फार्मासिस्ट कौशल कुमार त्रिपाठी पर जानलेवा हमला करने पहुंचे कुछ बदमाशों को पुलिस ने मौके पर ही दबोच लिया।घटना के समय अस्पताल के कमरे संख्या 8 स्थित दवा काउंटर पर मरीज लाइन में खड़े होकर दवा ले रहे थे। इसी दौरान कुछ युवकों ने लाइन तोड़कर जबरन दवा लेने की कोशिश की और वहां तैनात कर्मचारियों से बहस करने लगे। जब चीफ फार्मासिस्ट कौशल त्रिपाठी ने उन्हें लाइन में खड़े होकर दवा लेने की सलाह दी, तो वे उग्र हो गए और अपने अन्य साथियों को फोन कर बुला लिया। कुछ ही देर में 8-10 की संख्या में युवक बुलेट मोटरसाइकिलों पर हॉकी, लाठी-डंडे लेकर अस्पताल परिसर में पहुंच गए और हंगामा करने लगे। मामले की सूचना मिलते ही शहर कोतवाल मिथिलेश कुमार मिश्रा, भंडारी चौकी प्रभारी एवं भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

# नोएडा-गाजियाबाद में सायरन की आवाज से घबराएं नहीं... सहयोग करें, सिक्योरिटी चेक के लिए हो रही ड्रिल

आर्यावर्त संवाददाता

**ग्रेटर नोएडा।** गौतम बुद्ध नगर और गाजियाबाद के इलाकों में आज सायरन की आवाज सुनने को मिल सकती है। प्रशासन ने आज यानी एक अगस्त को जिले में भूकंप व रासायनिक आपदा को लेकर मॉक ड्रिल की घोषणा की है। ये नेशनल मॉक ड्रिल, भूकंप और औद्योगिक खतरों से बचाव के लिए की जा रही है।

यह ड्रिल पांच अलग-अलग स्थानों पर एक साथ होगी, जिसमें पुलिस, एनडीआरएफ, चिकित्सा, नगर पालिका, अग्निशमन, यातायात, होमगार्ड सहित सभी आपात सेवाओं से जुड़े विभाग शामिल रहेंगे। लोगों से भी अपील की गई है कि सायरन की आवाज सुनकर घबराएं नहीं, अफवाह न फैलाएं और सहयोग करें।

मॉक ड्रिल से पहले गुरुवार को कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी मेधा रूपम ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग समय पर निर्धारित स्थान पर पहुंचें और रूट मैप, एंबुलेंस, संचार प्रणाली, बचाव उपकरण सहित सभी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

### बच्चे होंगे शामिल

प्रशासन ने मॉक ड्रिल को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए पांच इंसीडेंट कमांडर तैनात किए हैं। यह कमांडर मौके पर टीमों का समन्वय करेंगे और आपात स्थिति में प्रतिक्रिया क्षमता को परखेंगे। इस मॉक ड्रिल में स्कूल के बच्चों को भी जोड़ा गया है ताकि उन्हें आपात स्थिति में सुरक्षित तरीके से बाहर निकलने और आत्मरक्षा के तरीके सिखाए जा सकें।

भूकंप जोन-4 में आता है जिला

जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुर्वेदी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के कई जिले भूकंप के जोन-4, 3 और 2 में आते हैं, जिनमें ग्रेटर नोएडा भी शामिल है। 4 ।5 तीव्रता का भूकंप भी यहां इमारतों को नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए समय-समय पर एडवाइजरी जारी की जाती है।

### गाजियाबाद में भी मॉक ड्रिल

प्रदेश में ग्रेटर नोएडा के अलावा गाजियाबाद में भी आज मॉक ड्रिल आयोजित होगी। इसका उद्देश्य आपदा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत करना और विभागीय समन्वय की जांच करना है।

# बरेली में जमीन खरीदना हुआ महंगा, सर्किल रेट में 20% की बढ़ोतरी, इलाके की जमीन सबसे महंगी

आर्यावर्त संवाददाता

**बरेली।** यूपी के बरेली जिले में जमीन खरीदने वालों के लिए आज से बड़ा बदलाव हो गया है। जिला प्रशासन द्वारा नया सर्किल रेट 1 अगस्त से लागू कर दिया गया है। इससे जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों में जमीनों की न्यूनतम कीमतों में करीब 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अब सभी बैनामे इन्हीं नई दरों पर होंगे और इससे कम पर न तो बिक्री होगी और न ही स्टांप ड्यूटी लगेगी।

टीम ने जब शुक्रवार को बरेली के रजिस्ट्री ऑफिस का दौरा किया, तो वहां रजिस्ट्रेशन के लिए आए लोगों और कातिबों से बातचीत की। कातिबों का कहना है कि सर्किल रेट में तो बढ़ोतरी हुई है, लेकिन यह कोई असाधारण वृद्धि नहीं है। उन्होंने बताया कि पहले कुछ दिन लोग कम आएंगे, क्योंकि लोग पहले से तय काम निपटाने आए हैं। धीरे-धीरे सब सामान्य हो जाएगा।

कुछ लोगों ने कहा कि सरकार ने महिलाओं को एक प्रतिशत की छूट देकर अच्छा कदम उठाया है, लेकिन जिन लोगों की कागज पहले पूरे नहीं हो पाए थे, उनके लिए यह नया रेट नुकसानदायक हो गया है। कुछ लोग शुक्रवार को केवल रेट देखने और जानकारी लेने आए, जबकि रजिस्ट्री कराने वालों की संख्या पहले के मुकाबले थोड़ी कम दिखी।

### कहां कितनी बढ़ी कीमत?

गांधी उद्यान से श्यामगंज चौराहे तकः यहां पहले 1000 वर्ग फीट की जमीन 59 लाख में मिल रही थी, अब वही जमीन 70 लाख की हो गई है।

रामपुर बाग और गंगाचरन अस्पताल के आसपासः 64 लाख की जमीन अब 76 लाख की हो गई है।

बिहारीपुर सिविल लाइंसः पहले 44 लाख में 1000 वर्ग फीट मिलती थी, अब इसके लिए 52 लाख देने होंगे।

सौ फुटा रोड व आसपास के इलाकेः शेरपुर और तुलापुर में 39 लाख से बढ़कर 46 लाख

ग्रीन पार्क और हारुनगला में 50 लाख से बढ़कर 60 लाख

नवादा जोगियान और आसपास की सड़क पर 40 लाख से बढ़कर 48 लाख

पुराने शहर और कॉलोनियों में भी असर

कुछ प्रमुख मोहल्लों और कॉलोनियों में भी जमीन के दामों में अच्छा-खासा इजाफा हुआ हैः

ब्रम्हपुराः 28 लाख ⟶ 32 ।50 लाख

शिव शक्ति स्टेटः 31 लाख ⟶ 36 लाख

सिटी हार्ट कॉलोनीः 35 लाख 41 लाख

राजा बिहारीः 31 लाख ⟶ 39 लाख

राजेंद्र नगरः 40.50 लाख ⟶ 47 लाख

### आगे क्या होगा?

कातिबों का कहना है कि शुरुआती कुछ दिनों में हलचल ज्यादा रहेगी, लेकिन जल्द ही स्थिति सामान्य हो जाएगी। हालांकि आम जनता इस वृद्धि से थोड़ी परेशान है, खासकर वे लोग जिनकी रजिस्ट्री सिर्फ एक-दो दिन की देरी से हुई और अब उन्हें ज्यादा भुगतान करना पड़ रहा है।

जिला प्रशासन की ओर से अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि अगली समीक्षा कब होगी, लेकिन यह तय है कि अब बरेली में जमीन खरीदना पहले से महंगा हो गया है।

# बिल्ली की सिक्योरिटी में लगी 4 होमगार्ड्स की ड्यूटी, कांस्टेबल ने कहा- एसपी साहब की है पालतू है... आगरा पुलिस ने दी ये सफाई

आर्यावर्त संवाददाता

**आगरा।** उत्तर प्रदेश के आगरा शहर में 4 होमगार्डों की ड्यूटी एक अजीबोगरीब जगह लगने का मैसेज वायरल हुआ है। बताया जा रहा है कि एक बिल्ली कि देखभाल के लिए 4 होमगार्डों की ड्यूटी लगी। हलांकि, आगरा पुलिस ने इसका खंडन किया है और इसे महज एक अफवाह बताया है।

जानकारी के मुताबिक, आगरा पुलिस लाइन में 30 जुलाई को चार होमगार्डों की ड्यूटी लगी थी। इन्हें बिल्ली और उसके बच्चों की देखभाल करने के निर्देश दिए गए थे। कॉन्स्टेबल योगेश कुमार ने बताया कि यह बिल्ली एसपी ट्रैफिक अभिषेक कुमार की है और उनकी देखभाल करना जरूरी है। ताकि किसी जानवर से उसे नुकसान न पहुंचे।

होमगार्डों को यह भी कहा गया कि रात में बिल्ली को दूध, रोटी और पानी खिलाएं। हालांकि, ड्यूटी के बाद होमगार्डों को यह अहसास हुआ कि यह बिल्ली एसपी ट्रैफिक की नहीं है। एक होमगार्ड ने इस बारे में अपने ऑफिशियल ग्रुप में मैसेज किया और बिल्ली के बच्चे की फोटो भी साझा की, जिससे मामला खुलासा हुआ।

### सच्चाई का ऐसे हुआ खुलासा

आगरा पुलिस ने इस मामले पर प्रतिक्रिया दी और बताया कि यह बिल्ली लावारिस थी, और एसपी ट्रैफिक की नहीं थी। पुलिस की मीडिया सेल ने सोशल मीडिया X पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह खबर पूरी तरह से अफवाह है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिल्ली पालतू नहीं थी और होमगार्डों को केवल यह निर्देश दिया गया था कि वो बिल्ली के बच्चों को सुरक्षित रखें।

### होमगार्डों को हुई थी गलतफहमी

पुलिस ने कहा कि होमगार्डों को गलतफहमी हो गई थी और उन्होंने इस मामले को ज्यादा बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया। असल में, उन्हें सिर्फ इस बात का ध्यान रखने को कहा गया था कि लावारिस बिल्ली को कोई खतरा न पहुंचे।

### बिल्ली लावारिस, समझने में हुआ फर्क

आगरा पुलिस की ओर से बताया गया कि यह बिल्ली लावारिस है। एसपी ट्रैफिक अभिषेक कुमार की बिल्ली नहीं है। यह खबर अफवाह के रूप में फैलाई जा रही है। हलांकि यह जरूर बताया गया कि यह बिल्ली पुलिस लाइन में रहती है। इस मामले को लेकर ट्रैफिक पुलिस की मीडिया सेल ने सोशल मीडिया X पर पोस्ट किया। कहा- यह पूरी तरह से अफवाह है कि बिल्ली एसपी ट्रैफिक की है। बिल्ली पालतू नहीं है। होमगार्डों से सिर्फ इतना कहा गया था कि ध्यान रखना, जिससे बिल्ली के बच्चे को नुकसान न हो। जिन होमगार्डों की ड्यूटी थी, उन्हें गलतफहमी हुई है।

# बिना बाहर जाये घर पर ही पूरे करें 10 हजार स्टेप्स, ये तरीके आएंगे काम

एक्सपर्ट फिट रहने के लिए 10 हजार कदम चलने की सलाह देते हैं। लेकिन जो लोग काम की जिम्मेदारियों की वजह से बाहर नहीं जा सकते उनका ये टारगेट अधूरा रह जाता है। लेकिन आज हम आपको ऐसे 4 तरीके बता रहे हैं, जिनकी मदद से आप घर में रह कर भी 10 हजार स्पेट्स पूरे कर सकते हैं।

आज कल की बिजी लाइफस्टाइल के चलते फिट रहना एक बड़ा चैलेंज बन गया है। खासकर उन लोगों के लिए जो वर्क फ्रॉम होम कर रहे हैं या जो हाउस मेकर हैं। घर की जिम्मेदारियों में उलझे रहने की वजह से बाहर जाकर वॉक करने का समय ही नहीं निकल पा रहा है। या फिर आलस के मारे बाहर जाया ही नहीं जा रहा है। लेकिन अगर आपको फिट रहना है तो डेली के 10 हजार स्टेप्स चलने की सलाह दी जाती है।

10 हजार कदम चलना न सिर्फ कैलोरी को बर्न करता है बल्कि फैट भी कम करता है। साथ ही मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में भी हेल्प करता है। इसके अलावा इसे हार्ट भी हेल्दी रहता है। लेकिन बिना लेकिन कुछ लोग बाहर न जाने की वजह ये इस टारगेट को पूरा नहीं कर पाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि इन स्टेप्स को सिर्फ बाहर जाकर ही पूरा करना जरूरी नहीं है? जी हां, कुछ आसान और स्मार्ट तरीकों से आप घर के अंदर रहकर भी रोजाना 10,000 स्टेप्स पूरे कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कैसे?

### सीढ़ियों को बनाए स्पेट काउंटिंग मशीन

अगर आपके घर में सीढ़ियां है तो ये आपके लिए काम आ सकती हैं। इसे आप अपने स्टेप जेनरेटर की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। 10 हजार काउंट पूरा करने के लिए आप सीढ़ियों पर चढ़ें और उतरें। ये जमीन पर चलने की तुलना में ज्यादा कैलोरी बर्न करता है। आप काम करने के बहाने भी बार-बार सीढ़ियों पर चढ़ सकती हैं। या फिर आप सीढ़ियों को वॉकिंग ब्रेक के रूप में भी इस्तेमाल कर सकती हैं। जैसे काम के बीच 510 बार ऊपर-नीचे जाना या खाना पकने का इंतजार करते समय कुछ चक्कर लगा लेना।

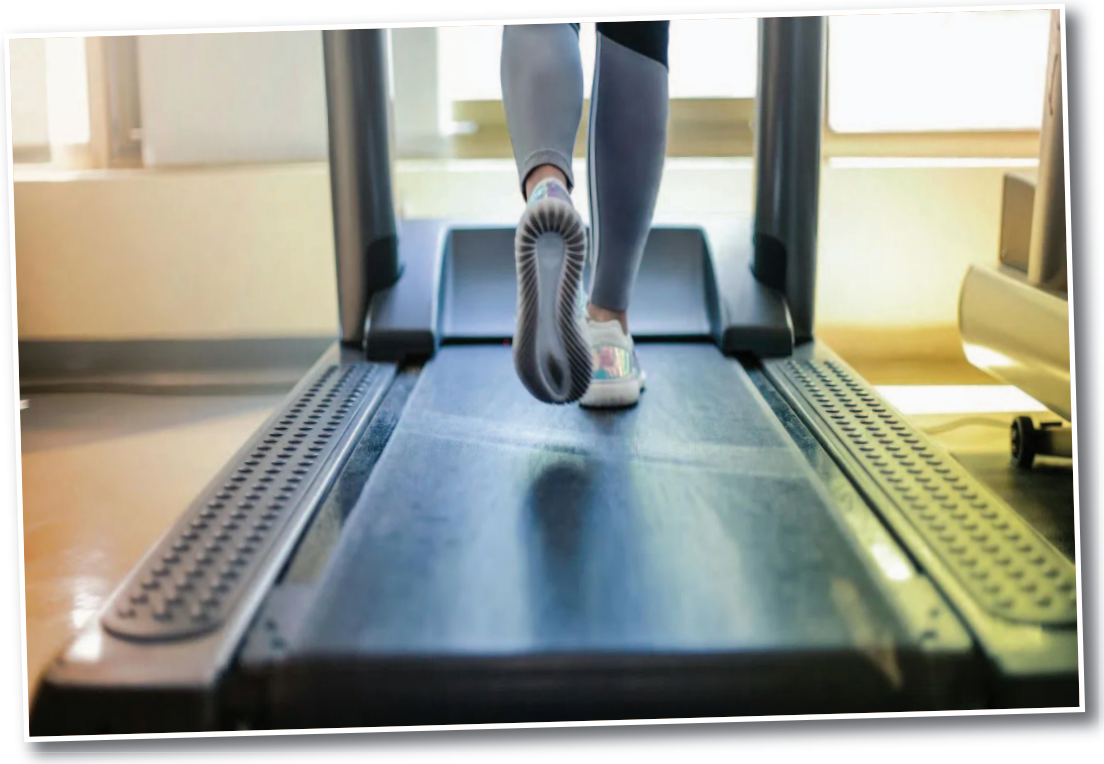

### लिविंग रूम में करें वॉक

आप अपने लिविंग रूम को भी 10 हजार स्टेप्स पूरे करने के लिए यूज कर सकते हैं। आज कल वॉकिंग वर्कआउट काफी पॉपुलर भी हो गए हैं। अगर आप वर्क फ्रॉम होम कर रहे हैं तो अपने डेस्क से उठकर कुछ मिनट वॉक कर सकते हैं। या फिर होम मेकर हैं तो अपने काम से फ्री होकर लिविंग रूम में गोल-गोल चक्कर लगा सकती हैं।

### वॉकिंग पैड में करें इंवेस्ट

अगर आपको और भी आसान तरीका अपनाना है तो वॉकिंग पैड खरीद सकते हैं। ये एक छोटा और फोल्डेबल ट्रेडमिल होता है। ये आज कल काफी पॉपुलर भी हो रहा है। इसकी मदद से आप चलते-चलते काम कर सकते हैं, टीवी देख सकते हैं या कोई और काम भी कर सकते हैं। ये छोटे होते हैं और आमतौर पर 1 से 4 मील प्रति घंटे के लिए बनाए जाते हैं। घर के लिए ये ट्रेडमिल एक बढ़िया ऑप्शन है।

### वर्क कॉल्स के दौरान लें वॉकिंग ब्रेक

अगर आप घर से काम करते हैं, तो फोन कॉल्स और वीडियो मीटिंग्स के दौरान कुछ स्टेप्स चल सकते हैं। जब सिर्फ ऑडियो कॉल हो, तब घर में इधर-उधर टहलते रहें, ऑफिस रूम में चक्कर लगाएं या सीढ़ियों पर ऊपर-नीचे चलते हुए बात करें। इससे भी आपके 10 हजार स्टेप्स पूरे करने में काफी हद तक मदद मिलेगी।

# तापसी पन्नू की फिटनेस का ये है राज, आप भी कर सकते हैं इसे फॉलो

**तापसी पन्नू बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस में से एक हैं। उनकी सिर्फ एक्टिंग ही बल्कि फिटनसे के भी लोग दीवाने हैं। चलिए आज उनके 38वें जन्मदिन के मौके पर जानते हैं एक्ट्रेस की फिटनेस का राज क्या है?**

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू 1 अगस्त को अपना 38वां जन्मदिन मना रही हैं. एक्ट्रेस की एक्टिंग काफी दमदार हैं. लेकिन सिर्फ एक्टिंग ही नहीं तापसी अपने फिटनेस के लिए भी जानी जाती हैं। तापसी के एब्स देख हर कोई उनका दीवाना हो गया था। हालांकि, तापसी ने इस तरह की फिटनेस के लिए कड़ी मेहनत भी की है, जिसका खुलासा खुद उनके फिटनेस ट्रेनर ने किया था।

तापसी अपनी फिटनेस को लेकर काफी सजग भी हैं। एक्ट्रेस रोजाना जिम भी पसीना बहाती हैं और अपनी डाइट का भी पूरा ख्याल रखती हैं। तापसी की तरह अगर आप भी फिटनेस फ्रीक बनना चाहती हैं तो हम आपको आज एक्ट्रेस का फिटनेस सीक्रेट बताने जा रहे हैं, जिसे फॉलो कर आप भी एक फिट बॉडी पा सकती हैं।

### तापसी का फिटनेस सीक्रेट

तापसी पन्नू की फिटनेस में डाइटिशियन मुनमुन गनेरीवाल और फिटनेस ट्रेनर सुजीत कलगुटकर का अहस रोल है। एक्ट्रेस की डायटिशियन ने उनकी डाइट का भी खुलासा किया था, एक अंग्रेजी अखबार को दिए इंटरव्यू में मुनमुन ने बताया था तापसी को एब्स बनाने में 3-4 महीने का समय लगा था। डाइट की बात करें तो, एक्ट्रेस को स्टेरॉयड्स के बजाय सेफ सप्लीमेंट्स दिए गए थे। वो अपनी डाइट में नेचुरल फूड्स का सेवन करती थीं।

### कौन -कौन सी एक्सरसाइज करती हैं तापसी?

vogue इंडिया के मुताबिक, तापसी जिम में काफी पसीना बहाती हैं। वो कार्डियों से लेकर योग तक करती हैं। एक्ट्रेस कार्डियों में जंपिंग जैक, स्क्वाट जंप, लंज और बर्पीज करती हैं। 30-40 मिनट तक लगातार दौड़ना या साइकिल चलाना भी उनके रूटीन में शामिल है।

इसके अलावा एक्ट्रेस वेट लिफ्टिंग भी करती हैं। लेग डे में लेग प्रेस, आरडीएल और स्क्वैट्स जैसे वर्कआउट शामिल हैं। तापसी HIIT वर्कआउट करना भी काफी पसंद करती हैं। ये एक्सरसाइज सेलेब्स के बीच काफी पॉपुलर है। इसे करने से फैट जल्दी बर्न होता है और मेटाबॉलिज्म भी बूस्ट होता है।

### तापसी ने भरी थी इतनी फीस

बता दें कि, अपनी फिट बॉडी के लिए तापसी ने महीने की 1 लाख रुपये फीस भरी थी। इस बात का खुलासा खुद उनकी डायटिशियन मुनमुन ने अंग्रेजी अखबार से किया था। उन्होंने बताया था कि, तापसी ने उन्होंने 12 महीने की 12 लाख रुपये फीस ली थी। वो अपने हर क्लाइंट से इनती ही फीस लेती हैं।

# क्यों मनाया जाता है माउंटेन क्लाइंबिंग डे, जानें भारत में कहां–कहां इसे करना है बेस्ट

1 अगस्त को हर साल National Mountain Climbing Day डे मनाया जाता है। ये दिन उन महान लोगों को समर्पित है , जिन्होंने कई ऊंचे पर्वतों को क्लाइंब कर महारत हासिल की है। अगर आप भी इसका शौक रखते हैं तो चलिए बताते हैं कि भारत में माउंट क्लाइंबिंग कहां –कहां की जा सकती हैं।

हर साल 1 अगस्त को नेशनल माउंटेन क्लाइंबिंग डे मनाया जाता है। ये दिन उन साहसी लोगों को समपर्ति हैं जो पहाड़ों की ऊंचाइयों को छूने का जज्बा रखते हैं। ये दिन उन पर्वातरोहियों को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है , जिन्होंने पहाड़ों की चोटियों पर चढ़कर इतिहास रचा है और दूसरों को भी प्रेरित किया है।

इस दिन की शुरुआत अमेरिका से हुई थी, जब 2005 में बॉबी मैथ्यू और जोशुआ मैडिगन नाम के दो दोस्तों ने न्यूयॉर्क की सबसे कठिन पहाड़ियों में से एक एडिरोंडैक हाई पीक्स को फतह किया। तभी से इस दिन को पर्वतारोहण प्रेमियों के लिए खास दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। अगर आप भी माउंटेन क्लाइंबिंग का शौक रखते हैं या इसे अपने जीवन में एक बार जरूर आजमाना चाहते हैं, तो जानिए भारत के कुछ बेहतरीन माउंटेन क्लाइंबिंग डेस्टिनेशन्स के बारे में।

### 1। लद्दाख का स्टोक कांगरी

स्टोक कांगरी पर्वत को लद्दाख की सबसे ऊंची पर्वत चोटियों में गिना जाता है। इसकी ऊंचाई लगभग 6,153 मीटर है, जो किसी भी पर्वतारोही के लिए एक बड़ी चुनौती होती है। यहां का रास्ता बर्फ, चट्टानों और कम ऑक्सीजन वाला होता है, जिससे ये क्लाइंबिंग एडवेंचर और ज्यादा रोमांचक बनता है। यहां जाने के लिए जुलाई से सितंबर तक का समय सबसे बेस्ट माना जाता है।

### 2। उत्तराखंड का बंदरपूंछ और नंदा देवी क्षेत्र

उत्तराखंड का गढ़वाल हिमालय पर्वतारोहियों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है। नंदा देवी भारत की दूसरी सबसे ऊंची चोटी है और इसके बेस कैंप तक पहुंचना किसी चैलेंज से कम नहीं है। बंदरपूंछ चोटी की बात करें तो , ये गंगोत्री ग्लेशियर के पास स्थित है और क्लाइंबिंग के लिए चुनौतीपूर्ण मानी जाती है। यहां ट्रेकिंग और क्लाइंबिंग करते हुए आपको बर्फ से ढकी वादियां, गहरी घाटियां और अद्भुत नजारें देखने को मिलेंगे।

### 3। हिमाचल प्रदेश का फ्रेंडशिप पीक

मनाली के पास स्थित फ्रेंडशिप पीक हिमालय की सबसे पॉपुलर पर्वत चोटियों में से एक है। इसकी ऊंचाई करीब 5,289 मीटर है। यहां पर आपको ग्लेशियर, बर्फीली ढलानें और तेज हवाओं का सामना करना पड़ता है। बीगिनर्स के लिए ये एक परफेक्ट चढ़ाई स्थल माना जाता है। यहां से पीर पंजाल और धौलाधार रेंज का शानदार नजारा भी देख सकते हैं।

### 4। सिक्किम का माउंट कंचनजंगा बेस कैंप

माउंट कंचनजंगा भारत की सबसे ऊंची और दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी है। धार्मिक दृष्टि से भी कंचनजंगा को एक पवित्र पर्वत माना जाता है। हालांकि इसकी मुख्य चोटी तक जाना कठिन है, लेकिन आप बेस कैंप तक का सफर तय कर सकते हैं। यहां का रास्ता बेहद शांत होता है। ये ट्रेक आपको सिक्किम की स्थानीय संस्कृति और हिमालय की खूबसूरती से रूबरू कराता है।

### 5। गढ़वाल का कामेट और त्रिशूल चोटी

कामेट चोटी समुद्र तल से करीब 7,756 मीटर ऊंची है, जो इसे भारत की ऊंची चोटियों में से एक बनाती है। वहीं त्रिशूल पर्वत भी काफी आकर्षक है। ये दोनों चोटियां उन पर्वतारोहियों के लिए हैं जो काफी माहिर हो। यहां क्लाइंबिंग करते समय ग्लेशियर, बर्फीली चट्टानें और खतरनाक मोड़ आते हैं।

# इलाज के लिए भारत बना एनआरआई की पहली पसंद, बढ़ रहा मेडिकल टूरिज्म, अमेरिका की तुलना में 10 गुना तक कम खर्च

पॉलिसीबाजार की रिपोर्ट बताती है कि 2024–25 में विदेशों में रहने वाले भारतीयों (एनआरआई) की संख्या में 150% बढ़ोतरी हुई है, जो भारत को मेडिकल टूरिज्म में लोकप्रिय बना रही है। हार्ट बायपास और घुटना प्रत्यारोपण जैसी महंगी सर्जरियां भारत में अमेरिका की तुलना में 7 से 10 गुना कम खर्चीली हैं। बेहतर इलाज और कम खर्च के कारण एनआरआई अब भारत को प्राथमिक चिकित्सा केंद्र मान रहे हैं।

भारत में इलाज कराना अब विदेशों में रहने वाले भारतीयों (एनआरआई) के लिए पहली पसंद बनता जा रहा है। पॉलिसीबाजार की रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में एनआरआई ग्राहकों की संख्या में 150% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो भारत की मेडिकल टूरिज्म में बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों की तुलना में भारत में इलाज बहुत सस्ता है, लेकिन गुणवत्ता में कोई कमी नहीं है। यही वजह है कि एनआरआई अब उच्च गुणवत्ता वाली और किफायती स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भारत का रुख कर रहे हैं।

## अब समझिए भारत के मुकाबले अमेरिका में इलाज की लागत

रिपोर्ट के अनुसार भारत और अमेरिका में होने वाले इलाज की लागत में काफी अंतर देखने को मिला। उदाहरण के तौर पर भारत में हार्ट बायपास सर्जरी के लिए लगभग चार लाख रुपये से छह लाख रुपये तक खर्च करने पड़ते हैं। वहीं अमेरिका में लगभग 58 लाख रुपये से लेकर लगभग 1.25 करोड़ रुपये तक खर्च करने पड़ते हैं। ऐसे ही हाल घटुना प्रत्यारोपण के लिए भी देखा गया है। इसके लिए भारत में लगभग ₹3.3 लाख से ₹5 लाख रुपये खर्च करने पड़ते हैं। वहीं अमेरिका में लगभग ₹24.9 लाख से ₹41.5 लाख खर्च करने पड़ते हैं।

## लीवर ट्रांसप्लांट में भी आते हैं करोड़ो के खर्च

अब बात अगर लीवर ट्रांसप्लांट की करें तो भारत में लीवर ट्रांसप्लांट के लिए लगभग ₹20.75 लाख से ₹29.05 लाख खर्च करने पड़ते हैं। वहीं अमेरिका की बात करें तो लीव ट्रांसप्लांट के लिए लगभग ₹2.49 करोड़ से ₹4.15 करोड़ तक खर्च करने पड़ते हैं। इसका साथ ही रिपोर्ट में ये भी जिक्र किया गया है कि भारत में स्वास्थ्य बीमा भी काफी सस्ता है। बता दें कि भारत में एक व्यक्ति का वार्षिक प्रीमियम लगभग ₹9,960 से ₹24,900 होती है। वहीं

अमेरिका में यही प्रीमियम ₹6.6 लाख से भी ज्यादा है।

भारत की स्वास्थ्य

बात अगर खाड़ी देशों की करें तो इसके लिए लगभग ₹3.3 लाख से ₹4.15 लाख है।

## युवा और महिलाएं भी आगे

एनआरआई ग्राहकों में महिलाओं की हिस्सेदारी में 125% और 35 साल से कम उम्र के ग्राहकों में 148% की बढ़ोतरी देखी गई है। यह दर्शाता है कि अब युवा और महिलाएं भी सेवाओं पर भरोसा कर रही हैं।

दक्षिण भारत के शहर जैसे चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद सबसे ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। इसके अलावा मुंबई, पुणे, ठाणे और कोलकाता भी एनआरआई मरीजों के लिए लोकप्रिय हो रहे हैं। ऐसे में सस्ती कीमत, बेहतरीन इलाज और आधुनिक मेडिकल तकनीक के कारण भारत अब दुनियाभर के एनआरआई के लिए चिकित्सा का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है।

# इस दिन संसद में पेश होगा न्यू इनकम टैक्स बिल!

न्यू इनकम टैक्स बिल 11 अगस्त 2025 को संसद के मॉनसून सत्र के दौरान पार्लियामेंट में पेश किया जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर बिल टेबल किया जाएगा।

सरकार की ओर न्यू इनकम टैक्स बिल को 11 अगस्त 2025 को संसद में टेबल किया जा सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इसे संसद में पेश कर सकती हैं। सरकार के मुताबिक, इस बिल को लक्ष्य इनकम टैक्स अधिनियम 1961 के लैंग्वेज और स्ट्रक्चर को आसान बनाना है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, वित्त मंत्री की ओर से इस बिल को ससद में पेश किया जाएगा, जो कि पुराने इनकम टैक्स कानून को रिप्लेस करेगा। इससे पहले बजट सेशन के दौरान निर्मला सीतारमण ने बिल को लोक सभा में इंट्रोड्यूस किया था।

## बिल में क्या नया है?

सरकार ने इस बार नए इनकम टैक्स बिल को आम आदनी के हिसाब से डिजाइन किया है। इसमें चैप्टर की संख्या कम होगी। चैप्टर्स की संख्या 47 से घटाकर 23 कर दी गई है। शब्दों की संख्या भी लगभग आधी होकर 2,59,676 रह गई है। अब इसमें 536 सेक्शन हैं, पहले 819 थे। समझने में आसानी के लिए 57 टेबल (पहले 18) और 46 फॉर्मूले (पहले 6) जोड़े गए हैं। इसके साथ ही बिल में आसान और स्पष्ट भाषा का इस्तेमाल किया गया है ताकि टैक्सपेयर्स को समझने में आसानी हो। पुराने और बेकार नियम हटा दिए गए हैं ताकि भ्रम न हो। टैक्स नीतियों और दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है ताकि टैक्सपेयर्स के लिए स्थिरता बनी रहे।

## बिल कैसे बना?

सरकार ने टैक्सपेयर्स, व्यवसायों, उद्योग समूहों और टैक्स विशेषज्ञों के साथ मिलकर इस बिल को तैयार किया। ऑनलाइन 20,976 सुझाव मिले, जिनमें से जरूरी सुझावों को शामिल किया गया है। साथ में ऑस्ट्रेलिया और यूके के टैक्स सरलीकरण मॉडल का भी अध्ययन किया गया ताकि वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाया जा सके।

## लक्ष्य क्या है?

इनकम टैक्स बिल 2025 का मकसद टैक्स नियमों को कम जटिल, अधिक स्पष्ट और भरोसेमंद बनाना है। टैक्स नियमों को वही रखते हुए उन्हें समझने में आसान बनाकर सरकार टैक्सपेयर्स का समर्थन करना चाहती है और भारत में बिजनेस करने की प्रक्रिया को और आसान बनाना चाहती है।

# ट्रंप ने कनाडा पर लगाया 35 प्रतिशत टैरिफ, ड्रग तस्करी पर रोक नहीं लगाने से अमेरिकी राष्ट्रपति नाराज

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका ने कनाडा पर 35 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि कनाडा से आने वाले सामान पर अब 35 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति कनाडा से होने वाली ड्रग तस्करी को लेकर नाराज हैं। ऐसे में ट्रंप ने अवैध ड्रग्स पर सहयोग की कमी का हवाला देते हुए कनाडा से आने वाले सामानों पर 35 प्रतिशत टैरिफ लगाने का आदेश दिया।

## कनाडा से ट्रंप नाराज

नया टैरिफ शुक्रवार से प्रभावी है। इससे पहले ट्रंप ने कनाडा पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जिसे बढ़ाकर अब 35 प्रतिशत कर दिया गया है। व्हाइट हाउस की ओर से गुरुवार देर रात की गई घोषणा में कहा गया कि 'कनाडा, तस्करों,

अपराधियों और अवैध ड्रग्स की तस्करी, जल्ती और रोकथाम के लिए पर्याप्त कदम उठाने में विफल रहा है।' ट्रंप ने पहले धमकी दी थी कि अगर शुक्रवार तक कोई समझौता नहीं हुआ, तो वह कनाडा पर और भी ज्यादा टैरिफ लगा देंगे। कनाडा को ट्रंप द्वारा गुरुवार देर रात जारी की गई टैरिफ दरों की सूची में शामिल नहीं किया गया था। ये आयात शुल्क 7 अगस्त से लागू होने वाले हैं।

## ट्रंप व्यापार समझौतों के लिए बना रहे दबाव

कार्यकारी आदेश में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार और सुरक्षा समझौते करने के लिए कुछ व्यापारिक साझेदार देश सहमत हो गए हैं और कुछ सहमत होने के कगार पर हैं। यह व्यापार बाधाओं को स्थायी रूप से दूर करने और आर्थिक एवं राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में अमेरिका के साथ तालमेल बिठाने के उनके ईमानदार इरादों का संकेत देता है। ट्रंप ने कहा, 'बातचीत में शामिल होने के बावजूद, कई व्यापारिक साझेदारों ने ऐसी शर्तें पेश की हैं जो, मेरे विचार से, हमारे व्यापारिक संबंधों में असंतुलन को दूर नहीं करती हैं या आर्थिक एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में अमेरिका के साथ पर्याप्त रूप से तालमेल बिठाने में विफल रही हैं।'

# रूस के ड्रोन और मिसाइल हमले से फिर दहला कीव, कम से कम 6 लोगों की मौत

**कीव।** रूस ने बुधवार रात यूक्रेन की राजधानी कीव पर मिसाइल और ड्रोन से घातक हमला किया। इस हमले में कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक 6 साल का बच्चा भी शामिल है। यूक्रेनी अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख तिमुर त्काचेंको ने बताया कि कम से कम 52 लोग घायल हुए हैं और यह संख्या बढ़ सकती है।

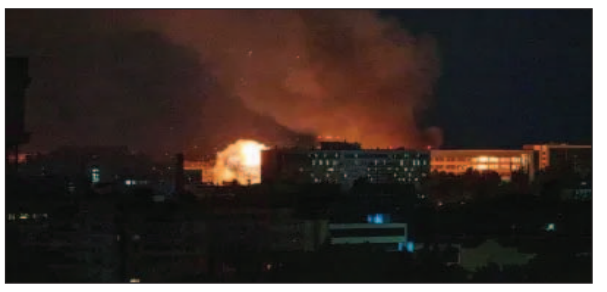

तिमुर त्काचेंको ने कहा कि एक नौ मंजिला रिहायशी इमारत का बड़ा हिस्सा हमले में ढह गया है। राहत और बचाव दल मौके पर पहुंच गए हैं और मलबे के नीचे फंसे लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने अपने आधिकारिक टेलीग्राम चैनल पर लिखा, मिसाइल हमला। सीधे रिहायशी इमारत पर। लोग मलबे में दबे हुए हैं। सभी सेवाएं मौके पर हैं।

त्काचेंको के अनुसार रूस ने इस बारकीव के कम से कम 27 स्थानों को इस हमले में निशाना बनाया गया, जिनमें सबसे अधिक नुकसान सोलोमियनस्की और स्वियातोशिन्स्की जिलों में हुआ है। घटनास्थल से आई तस्वीरों में देखा गया कि आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त इमारत से धुएं के गुबार उठ रहे हैं और चारों ओर मलबा बिखरा पड़ा है।

रूस ने यह हमला यूक्रेन पर ऐसे वक्त में किया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा था कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को शांति प्रयासों में प्रगति के लिए 8 अगस्त तक का समय और दे रहे हैं। अगर तब तक भी वह सीजफायर पर फैसला नहीं करते तो अमेरिका कड़े प्रतिबंध और टैरिफ लागू करेगा। पश्चिमी नेताओं ने पुतिन पर यूएस-नेतृत्व वाली शांति वार्ताओं में जानबूझकर देरी करने का आरोप लगाया है ताकि वे यूक्रेन के और अधिक हिस्से पर कब्जा कर सकें।

# रूस में 8 .8 तीव्रता के भूकंप के बाद सुनामी का खतरा बरकरार, 4 मीटर ऊंचाई तक उठी लहरें

**मेलबर्न।** रूस के कामचाटका प्रायद्वीप में बुधवार सुबह आए 8.8 तीव्रता के भूकंप ने पूरे प्रशांत क्षेत्र में सुनामी की चेतावनियों और जन निकासी की प्रक्रिया को ट्रिगर कर दिया है। इससे लोग अभी भी दहशत में हैं। रूस के तटीय इलाकों में इस बीच 4 मीटर से ज्यादा समुद्री लहरें उठती देखी गईं। समुद्र में पूरी तरह से उथल-पुथल मची है। इससे समुद्री जीव भी जल से निकलकर बाहर की ओर आ रहे हैं।

रूस में आए भयंकर भूकंप के बाद सुनामी का असर कई देशों में देखा जा रहा है। रूस में कुछ स्थानों पर 4 मीटर ऊंची लहरें देखी गईं, जबकि जापान, हवाई, चीन और दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों में लहरें 30 सेंटीमीटर से 3 मीटर के बीच हो सकती हैं। मगर चेतावनी दी गई है कि सुनामी लहरें अचानक तेज

हो सकती हैं। वैज्ञानिक बताते हैं कि लहरों की ऊंचाई अंतिम समय तक सटीक अनुमान नहीं लगाई जा सकती। तटीय स्थल की भौगोलिक स्थिति और समुद्र की गहराई लहरों को अप्रत्याशित रूप से खतरनाक बना सकती हैं।

सुनामी के खतरे को देखते हुए लाखों लोगों को तटीय क्षेत्रों से विस्थापित किया जा चुका है। क्योंकि देर से निकासी से अफरा-तफरी, यातायात जाम और जान का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसलिए पहले से निकासी करना अधिक सुरक्षित होता है, भले ही खतरा कम दिखाई दे। अगर चेतावनी को नजरअंदाज किया गया, तो लोग समय पर नहीं निकलते। 2004 की हिंद महासागर सुनामी में 2.27 लाख से अधिक लोग मारे गए थे। वहीं 2011 की जापान सुनामी में, जहां चेतावनी और अभ्यास होने से 20,000 से कम मौतें हुईं। हालांकि जापान जैसे देशों में सुनामी अलार्म, ऊंचे सुरक्षित भवन और सरकारी अभ्यास हैं। अधिकांश विकासशील देशों में ये नहीं हैं, जिससे मौत दर ज्यादा होती है।

पहले केवल भूकंप की स्थान और तीव्रता के आधार पर अनुमान लगाए जाते थे, जिससे कई फॉल्स अलार्म होते थे। अब डार्ट सिस्टम जैसी प्रणालियों से समुद्र की गहराई में दबाव परिवर्तन मापा जाता है, जिससे लहरों की सटीक ऊंचाई और खतरे का अनुमान बेहतर होता है।

यदि अधिकारियों द्वारा निकासी आदेश दिया गया है, तो उसे तुरंत मानें।लहर छोटी है तो कुछ नहीं होगा जैसी सोच जानलेवा साबित हो सकती है।पहले निकलना, सही रास्तों से निकलना, और सुनामी खत्म होने की आधिकारिक पुष्टि तक वापस न आना ही सबसे सुरक्षित तरीका है। पर चेतावनी और समझदारी भरा व्यवहार यही जीवन की गारंटी है।

# म्यांमार की सेना ने 4 साल बाद आपातकाल हटाया, चुनाव का रास्ता साफ

**यंगून।** म्यांमार में तख्तापलट के जरिए सत्ता हासिल करने वाली सेना ने गुरुवार को देश से आपातकाल हटा दिया है। यहां पिछले 4 साल से आपातकाल लागू था। राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा परिषद की बैठक के बाद सैन्य शासन ने यह घोषणा की है। कमांडर-इन-चीफ और सैन्य जुंटा (सैन्य शासन) नेता मिन आंग ह्लाइंग ने 30 सदस्यीय संघीय सरकार के गठन की भी घोषणा की और अपने सहयोगी न्यो साव को प्रधानमंत्री नियुक्त किया है।

यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र में गृहयुद्ध की स्थिति बनी हुई है और विद्रोह पनप रहा है। देश में म्यांमार की सेना को अर्थव्यवस्था के पतन और लोकतंत्र समर्थक सशस्त्र समूहों के बढ़ते प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा सैन्य

शासन ने दिसंबर में कराने का वादा किया था और म्यांमार के 2008 के संविधान के अनुसार चुनाव कराने से पहले आपातकालीन नियमों को हटाना ज़रूरी है।

राष्ट्र रक्षा और सुरक्षा परिषद ने जनवरी में अपनी बैठक में आपातकाल की स्थिति को 31 जुलाई तक बढ़ाने का निर्णय लिया था। उस समय कहा गया था कि स्वतंत्र और निष्पक्ष आम चुनाव के लिए स्थिरता की जरूरत है। इसके बाद जुलाई में सेना ने एक विधेयक पास किया, जिसमें चुनावी प्रक्रिया में बाधा डालने पर मृत्युदंड सहित अन्य दंड देने का प्रावधान है। उधर, अमेरिका सहित पश्चिमी सरकारों ने सैन्य शासन द्वारा आयोजित चुनाव को अवैध बताया है।

वर्ष 2020 में आंग सान सू की नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) ने आम चुनावों में 476 में 396 सीटें जीती, जिसे सेना समर्थित यूनियन सॉलिडेरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी ने अस्वीकार कर दिया। चुनाव में धांधली का आरोप लगाया गया, जिसके बाद 1 फरवरी, 2021 को म्यांमार सेना (तत्मादाव) ने तख्तापलट कर दिया। सेना ने नवनिर्वाचित संसद शुरू होने से पहले राष्ट्रपति विन म्यिंट और स्टेट काउंसलर आंग सान सू समेत कई एनएलडी नेताओं को हिरासत में ले लिया। सेना ने कार्यवाहक राष्ट्रपति म्यिंट स्वे (सेना समर्थित) के जरिए एक साल के लिए राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया था,ज जिसे बाद में बढ़ाया गया। इसके बाद सेना ने सत्ता अपने कमांडर-इन-चीफ, सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग को सौंप दी। वे स्टेट एडमिनिस्ट्रेटिव काउंसिल और सैन्य जून्टा के रूप में देश चला रहे थे। इसके विरोध में म्यांमार में लोग सड़क पर उतरे और खूब प्रदर्शन हुए। इस दौरान 2,900 से अधिक लोग मारे गए और 18,000 लोग गिरफ्तार हुए।

# 18 घंटे काम, 27 महीने तो दीजिए... सीएम रेखा बोलीं- 27 साल की कमियां दूर कर रहे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि इन पांच महीने की बीजेपी सरकार ने वह सभी काम किए है जो दिल्ली के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि अटके-भटके कामों को पूरा करना सरकार का प्रण है। सीएम ने कहा कि मेरा पूरा प्रतिनिधि मंडल जनता की सुविधा के लिए 18 घंटे काम कर रहा है।

सीएम ने कहा कि दिल्ली की जनता को कोई परेशानी न हो, इसके लिए बीजेपी सरकार ने कई नियमों में बदलाव भी किए है। सीएम ने दिल्ली वासियों से कहा कि कमर कस लीजिए इतने काम मिलने वाले हैं, आप करते करते थक जाएंगे लेकिन सरकार देते देते नहीं थकेगी। झुग्गीवासियों को लेकर सीएम ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कह दिया है कि बिना मकान बने एक भी झुग्गी नहीं हटेगी और विपक्षी पार्टियां इसको लेकर राजनीति कर रही हैं।

### बाकी राज्यों से पिछड़ गई है दिल्ली

सीएम ने कहा कि इतने सालों में दिल्ली पिछड़ गई है। बाकी राज्य आगे निकल गए हैं। उन्होंने कहा कि देश की राजधानी होने के नाते बाकी राज्यों से अधिक तेज विकास दिल्ली का होना चाहिए था। आप सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इतने सालों में सिर्फ दिल्ली का नुकसान हुआ है। मौका है अब दिल्ली के लिए काम करें। रोड स्कूल हॉस्पिटल, मॉल, मार्केट की जरूरत है। दिल्ली का गोल्डन ऐरा आने वाला है। हर एजेंसी एक लक्ष्य के साथ काम कर रही है। मोदी जी के विजन से कुछ बाहर नहीं है। मेरे नेता ने कहा है कि दिल्ली आगे बढ़ेगी तो दिल्ली आगे बढ़ेगी। हम पारदर्शिता के साथ शक्ति के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

### कई नियमों में किया बदलाव

दिल्ली सीएम ने कहा बीजेपी सरकार आने से कई नियमों में बदलाव किए गए। उन्होंने कहा कि 1954 का नियम था कि रात 9 बजे से सुबह 7 बजे तक महिलाएं काम नहीं कर सकती। लोगों ने कभी सोचा नहीं था कि इस महिलाएं अब रात में भी काम करेंगी। उन्होंने कहा कि कई तरह की लाइसेंस में भी सरलता लाई गई है। सिनेमा हाल, कैफे का लाइसेंस अब पुलिस की जगह सरकार देगी। ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री एक लाख 23 हजार करोड़ का फंड दे रही है। ये डबल इंजन की सरकार है। उन्होंने कहा कि 827 करोड़ अभी दो दिन पहले ही केंद्र ने दिल्ली को दिए हैं। सीएम ने कहा कि कमर कस लीजिए इतने काम मिलने वाले हैं, आप करते करते थक जाएंगे लेकिन सरकार देते देते नहीं थकेगी।

### विपक्षी पर साधा निशाना

विपक्षी पर निशाना साधते हुए सीएम ने कहा कि आप सरकार झुग्गियों को लेकर राजनीति कर रही है। राहुल गांधी झुग्गियों में आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि झुग्गी वासियों को जरा सी भी सुविधा नहीं दी और अब राजनीति कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने झुग्गियों में पाइपलाइन तक नहीं बिछाई। सीएम ने कहा कि बीजेपी सरकार में एक भी झुग्गी बिना मकान नहीं हटेगी। उन्होंने कहा कि अगर पॉलिसी में बदलाव की जरूरत होगी तो वह भी करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सभी झुग्गीवासियों को मकान दिया जाएगा। एक भी झुग्गी को बिना मकान टूटने नहीं देंगे।

### 'दिल्ली अब बदल रही है'

सीएम ने कहा कि वह दिल्ली में प्रदूषण खत्म करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रोजाना CAQM से बात हो रही है। कोई सेगमेंट हमने छोड़ा नहीं है। स्मॉग टावर लगाए जा रहे हैं। डस्ट मिटिगेशन प्लान 70 पेड़ लगाने का कार्य कर रहे हैं। हमने कोर्ट का रुख किया और कहा कि 10 साल 15 साल वाला नियम ठीक नहीं है। गुप्ता ने कहा कि लगातार पांच महीने से सरकार दिल्ली के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इसलिए आज हम ये दावे से कह सकते हैं कि दिल्ली बदल रही है और पटरी पर चल रही है।

## रेप केस में दोषी पाया गया पूर्व पीएम देवेगौड़ा का पोता प्रज्वल रेवन्ना, कोर्ट में ही रोने लगा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कर्नाटक हाईकोर्ट ने रेप और यौन उत्पीड़न के मामले में जनता दल (एस) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को करारा झटका दिया है। इस मामले में कोर्ट ने रेवन्ना को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने जिस समय को दोषी करार दिया उस समय कोर्ट में मौजूद रेवन्ना फूट-फूटकर रोने लगे। कोर्ट की तरफ से सजा का ऐलान किया जाएगा। पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को सेक्स टेप मामले में ये दोषी करार दिया गया है। प्रज्जवल रेवन्ना पर यौन उत्पीड़न के कई मामले दर्ज हैं। इसके साथ ही उनपर आरोप है कि उन्होंने कई महिलाओं से रेप किया है। प्रवज्जवल रेवन्ना पर लगे आरोपों की वजह से जेडीएस ने उन्हें पार्टी से निलंबित भी कर दिया था। प्रज्वल रेवन्ना देश के पूर्व प्रधानमंत्री एच। डी। देवेगौड़ा का पोता है। 'राधे-राधे मैम।।।', नर्सरी कक्षा की छात्रा ने इस अंदाज में किया विश, गुस्से में प्रिंसिपल ने मासूम को पीटा, फिर मुंह में चिपका दी टेप प्रज्वल रेवन्ना पर उनके घर में काम करने वाली महिला ने यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके अलावा बेंगलुरु में पब्लिक प्लेसेस में कई पेन ड्राइव मिलीं थीं। इनको लेकर ऐसा दावा किया गया कि पेन ड्राइव में 3 हजार से 5 हजार वीडियो हैं, जिनमें प्रज्वल को महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न करते देखा गया है।

# आईआईएमसी के प्राध्यापक डॉ. विनीत उत्पल की पुस्तक'सोशल मीडिया' का लोकार्पण

**माउंट आबू।** भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी)जम्मू के सहायक प्राध्यापक डॉ. विनीत उत्पल की पुस्तक 'सोशल मीडियाः परिभाषा, सिद्धांत एवं प्रयोग' का लोकार्पण माउंट आबू में किया गया। ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित पांच दिवसीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रिट्रीट समारोह के दूसरे दिन संस्थान की अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी राजयोगिनी बीके जयंती दीदी, भारतीय जन संचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी, जनसंपर्क अधिकारी बीके कोमल, बीके पल्लवी, मुंबई विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर ई.वी. स्वामीनाथन ने पुस्तक का लोकार्पण किया।

इस मौके पर अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी राजयोगिनी बीके जयंती दीदी ने लेखक डॉ. विनीत उत्पल को बधाई दी और सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रिट्रीट के मौके पर इस पुस्तक का विमोचन गर्व का विषय है।

### हिंदी में अपने ढंग की पहली किताब: प्रो.द्विवेदी

आईआईएमसी के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने बताया कि हिंदी भाषा में सोशल मीडिया विषय पर अपने तरह की पहली पुस्तक है। इसमें सोशल मीडिया की परिभाषा एवं सिद्धांत के साथ इसके प्रायोगिक पक्ष को विस्तृत ढंग से बताया गया है। यह पुस्तक न सिर्फ पत्रकारों के लिए उपयोगी है बल्कि सोशल मीडिया इंफ्लुएंसरों के लिए उपयोगी है। देशभर के तमाम मीडिया संस्थानों के हिंदी माध्यम के छात्र लंबे अर्से से सोशल मीडिया पर ऐसी पुस्तक आने का इंतजार कर रहे थे।

संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी बीके कोमल ने बताया कि यह पुस्तक स्कूल, कॉलेज और विभिन्न विश्वविद्यालयों के मीडिया के छात्रों के लिए काफी लाभदायक होगी। लेखक डॉ. विनीत उत्पल ने कहा कि पुस्तक पूरी तरह टेक्स्ट बुक है और यह उनके पिछले दो दशक के पत्रकारीय संग अध्ययन व अध्यापकीय जीवन के अनुभव पर आधारित है। इस पुस्तक में देश के तमाम विश्वविद्यालयों में पढाए जा रहे सोशल मीडिया के सिलेबस को ध्यान में रखा गया है। पुस्तक नेट-जेआरएफ या अन्य परीक्षाओं की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों के लिए उपयोगी है। इसमें सोशल मीडिया के सिद्धांत, फेक न्यूज, मीडिया ट्रायल, संबंधित कानून सहित आठ सौ ऑब्जेक्टिव और पांच सौ सब्जेक्टिव प्रश्नों को समाहित किया गया है। यह अमेजन पर ऑनलाइन उपलब्ध है। गौरतलब है कि इस मीडिया इन्फ्लुएंसर रिट्रीट में देशभर के सैकड़ों विद्यार्थी, प्राध्यापक एवं सोशल सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हिस्सा ले रहे हैं।

# 'जो तुम मेरे हो, तो मैं..', अंकिता लोखंडे ने पति विक्की जैन को दी जन्मदिन की बधाई, लिखा नोट

अंकिता लोखंडे के पति और अभिनेता विक्की जैन का आज जन्मदिन है। इस खास मौके पर अंकिता ने फोटो का एक शानदार कोलाज सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। साथ ही अपने प्यार का इजहार भी किया।

अंकिता लोखंडे और विक्की जैन टीवी के प्रसिद्ध कपल्स में से एक हैं। आज विक्की जैन का जन्मदिन है। इस खास मौके पर विक्की की पत्नी और अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने सोशल मीडिया हैंडल पर विक्की को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए एक खास पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ ही अंकिता ने एक इमोशनल नोट भी लिखा है।

### अंकिता का पोस्ट

अंकिता ने इंस्टाग्राम पर कई खूबसूरत तस्वीरों का कोलाज बनाकर शेयर किया और साथ ही अपने पति विक्की को जन्मदिन की बधाई देते हुए कैप्शन में लिखा, 'जो तुम मेरे हो, तो मुझे दुनिया से कुछ नहीं मांगना, हैप्पी बर्थडे मेरे विक्की।' इसके आगे अंकिता ने बताया कि वह विक्की से कितना प्यार करती हैं उन्होंने केप्शन में लिखा, 'मैं तुमसे आज, कल, हमेशा-हमेशा के लिए प्यार करती हूं...।' इसके साथ ही अंतिका ने विक्की का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 'तुम होने के लिए, मेरे होने के लिए शुक्रिया। तुम्हारा जश्न मनाना मेरे जीवन का सबसे बड़ा आशीर्वाद है।'

### अंकिता और विक्की के बारे में

टीवी अभिनेत्री अंकिता लोखंडे और विक्की जैन ने 14 दिसंबर, 2021 को शादी की थी। उनकी शादी मुंबई में हुई थी। अंकिता और विक्की की शादी में कई टीवी सेलेब्स शामिल हुए थे। अंकिता और विक्की सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह लगातार सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी एक साथ कई खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो शेयर करते रहते हैं।

### फैंस के कमेंट्स

अंकिता के अलावा विक्की को उनके फैंस ने भी जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। एक फैन ने लिखा, 'एक दूसरे के लिए बने', एक और फैन ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो विक्की सर', एक और फैन ने लिखा, 'सर को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं', एक और फैन ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो विक्की भैया', एक और फैन ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो सर', एक और फैन ने लिखा, 'भाई भाभी।'

# एक्टिंग के लिए बीच में छोड़ दी पढ़ाई, कुछ ऐसा रहा है मृणाल का छोटे पर्दे से फिल्मों तक का सफर

मृणाल ठाकुर सिनेमा की दुनिया का चर्चित नाम हैं। अपनी खूबसूरती और अदाकारी के दम पर उन्होंने दर्शकों के बीच खास जगह बनाई है। मगर, इसके पीछे सिर्फ और सिर्फ उनकी मेहनत और लगन रही है। शुरुआत से ही मृणाल की दिलचस्पी अभिनय की तरफ रही और कहा जाता है कि किसी चीज को शिद्दत से चाहो तो वह मिल ही जाती है। उन्होंने अभिनय में करियर बनाने का सपना देखा और आखिर यह सपना न सिर्फ पूरा हुआ, बल्कि मृणाल ठाकुर आज चर्चित नाम है। आज 01 अगस्त को जन्मदिन के मौके पर जानते हैं उनके बारे में

### अभिनय के लिए छोड़ दी पढ़ाई

मृणाल ठाकुर का जन्म 01 अगस्त 1992 को महाराष्ट्र के धुले में हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत साल 2012 में सीरियल 'मुझसे कुछ कहती....ये खामोशियां' से की। मृणाल ठाकुर को जब इस शो का ऑफर मिला, तब वे पढ़ाई कर रही थीं। एक्टिंग में करियर बनाने के लिए मृणाल ने बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मृणाल ने एक्टिंग की शुरुआत घरवालों को बताए बिना की। 'मुझसे कुछ कहती....ये खामोशियां' के बाद मृणाल कई और टीवी सीरियल में नजर आईं। शो 'कुमकुम भाग्य' में काम करने के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस शो में उन्होंने बुलबुल अरोड़ा का किरदार निभाया था।

### फिल्म के किरदार को समझने के लिए रेड लाइट एरिया में गईं

मृणाल ठाकुर ने देह व्यापार और चाइल्ड ट्रैफिकिंग के मुद्दे पर बनी फिल्म 'लव सोनिया' के जरिए हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया। फिल्म शूट करने से पहले मृणाल कोलकाता जाकर कुछ दिन रहीं। वे वहां सोनागाछी रेडलाइट एरिया में गई थीं और देह व्यापार के दलदल में फंसी युवतियों-महिलाओं की जिंदगी को करीब से देखा। बॉलीवुड में मृणाल को फिल्म 'सुपर 30' में ऋतिक रोशन के अपोजिट देखा गया और यहां से उनके करियर ने नई उड़ान भरी।

### इंडोनेशिया में तगड़ी फैन फॉलोइंग

भारत में तो मृणाल ठाकुर की तगड़ी फैन फॉलोइंग है। मगर, जानकार हैरानी होगी कि इंडोनेशिया में भी उनका फैन बेस मजबूत है। यहां तक कि उन्होंने कुछ इंडोनेशियन टीवी शो में भी काम किया है।

### राइटिंग और फोटोग्राफी का शौक

मृणाल की अदाकारी तो सबने देखी है। मगर, उनके शौक की बात करें तो उन्हें राइटिंग और फोटोग्राफी का शौक है। वे किताबें पढ़ने की शौकीन हैं। वहीं, अपने फोटोग्राफी के शौक के चलते मृणाल अक्सर अपनी छुट्टियों की डिटेल एल्बम तैयार करती हैं।

### इस फिल्म के बाद बढ़ा दी फीस

साल 2022 में मृणाल ठाकुर ने तेलुगु फिल्म 'सीता रामम' से काफी लोकप्रियता बटोरी। इसके बाद उन्होंने अपनी फीस में भी इजाफा किया। इसके अलावा 'हाय नन्ना' (हिंदी में हाय पापा) भी उनकी चर्चित फिल्म है। मृणाल की आगामी फिल्मों की बात करें तो वे 'सन ऑफ सरदार 2' में नजर आएंगी। इसके अलावा उन्हें इस साल 'डकैत' में भी देखा जाएगा। 2024 की एक रिपोर्ट के मुताबिक मृणाल की नेटवर्थ करीब 33 करोड़ रुपये है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com